।। श्री हरि शरणम् ।।

रायसेन से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN/2012/43555

वर्ष - 12 अंक - 348

रायसेन
रविवार, 15 जून 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

रायसेन, नर्मदापुरम एवं भोपाल से प्रकाशित

खास बात

मानसिक अशाँति जब शरीर में घर कर लेती है तो वह शरीर को उसी प्रकार नष्ट कर देती है जिस प्रकार काष्ठ को अग्नि।

- कुशवाहा कान्त

संक्षिप्त समाचार

नीट यूजी 2025 में राजस्थान के महेश टॉपर, एमपी के उत्कर्ष को मिली दूसरी रैंक

महेश केसवानी

उत्कर्ष अवधिया

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (नीट) ने नीट यूजी 2025 का रिजल्ट शनिवार को जारी कर दिया। 20.08 लाख स्टूडेंट्स बैठे थे। इनमें से 12.36 लाख स्टूडेंट्स क्वालिफाई हुए हैं। राजस्थान के हनुमानगढ़ के महेश केसवानी ने टॉप किया है। उन्हें 720 में से 686 मार्क्स मिले हैं। ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल करने वाले हनुमानगढ़ के महेश केसवानी ने बताया कि 10वीं के बाद वो आर्ट्स लेकर यूपीएससी की तैयारी करना चाहते थे। मगर एक टीचर के समझाने से उन्होंने साइंस ली और नीट की तैयारी करने लगे। एमपी के इंदौर के उत्कर्ष अवधिया की सेकेंड और महाराष्ट्र के कृषांग जोशी की थर्ड रैंक आई है। टॉप 10 में केवल 1 लड़की है। दिल्ली की अविका अग्रवाल को फीमेल कैटेगरी में पहला स्थान मिला है। 2024 में अनारक्षित कैटेगरी के लिए कट-ऑफ स्कोर 162 था, जो इस साल घटकर 144 हो गया है। बीते साल AIR 1 पर 17 स्टूडेंट्स थे। इन सभी ने 720 में से 720 स्कोर किए थे। इस साल मुश्किल पेपर की वजह से टॉपर का स्कोर और कट-ऑफ नीचे आ गया है।

सीएम 16 को लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित करेंगे राशि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार 16 जून को जबलपुर जिले के बरगी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, संबल योजना और सिलेंडर रिफिलिंग योजना में हितग्राहियों के खातों में जून माह की राशि अंतरित करेंगे। कार्यक्रम में सीएम विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी करेंगे। सीएम प्रदेश की एक करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनों के खातों में लाड़ली बहना योजना की जून माह की किस्त 1551 करोड़ 44 लाख रूपये अंतरित करेंगे। लाड़ली बहनों को मिलने वाली यह 25वीं किस्त है। योजना में प्रत्येक लाड़ली बहना को प्रत्येक माह 1250 रूपये की राशि उनके खातों में अंतरित की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में 56 लाख 68 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 341 करोड़ रूपए की राशि अंतरित करेंगे। साथ ही सीए 27 लाख से अधिक बहनों को सिलेंडर रिफिलिंग की 39.14 करोड़ रुपए की राशि भी उनके खातों में सिंगल क्लिक से अंतरित करेंगे। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री डॉ. यादव संबल योजना में 6821 श्रमिक परिवारों की 150 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के लाभार्थियों को हितलाभ वितरण करने के साथ ही अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी करेंगे।

अंतर्मना उवाच

हर एक पिता की दो कहानियाँ होती है.. एक वो जो सबको सुनाता है और दूसरी वो जो सबसे छुपाता है..!

पिता सब कुछ बताते नहीं - लेकिन बेटों में वो हुनर होना चाहिए जो अपने पिता की अदाओं से उनके हुनर को चुरा कर अपने जीवन की कला बना लें। ***जीवन में एक समय ऐसा आता है, जब पिता की जीवनोपयोगी बातें, उनका अनुशासन, कही गई बातें वक्त पर काम आती है। तभी तो कहते हैं - हमारे पापा ने सिखाया।*** *आश्चर्य की बात तो यह है कि वो दिन, खुद पापा बनने के बाद आता है!* ***कभी कभी पिता की खामोश नज़र से मिली नसीहतें वर्षों बाद समझ में आती है।***

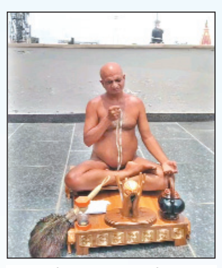

दिल्ली में प्रतिदिन की भांति धूप, भीषण गर्मी में जाप-तप-सामायिक साधना करते तपोशिरोमणि अंतर्मना गुरुदेव आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज

हम बचपन में सोचते थे, माँ जितना प्यार पिता क्यों नहीं करते..? चेहरे पर हर वक्त सख्ती बनी रहती थी। बात करते समय भी उनका लहज़ा सधा हुआ रहता था। माँ की तरह उनसे लड़ियाते हुए बात करने की, सोचना भी बेकार था। समय, काम, खर्च और खान-पान को लेकर भी पिता बहुत सख्त रहते थे। बचपन में बच्चों की पिता से कई शिकायतें रहती थी। पिता का प्यार उनकी परवाह देखने के लिये एक उम्र का इंतजार करना ही पड़ता था। ***पिता की बातें, उनके अनुभव, उनकी भावना तभी समझ आती है जब हम दुनिया का सामना करते हैं।***

अभिभावक अपने बच्चों को, अपने जीवन में हुई भूलों से बचाकर रखने की कोशिश करते हैं, ***खास तौर पर पिता।*** *जो उन्हें हासिल नहीं हुआ, वो बच्चों को मिले। जब पिता बेटे के सिर पर प्यार से हाथ फेरते हैं, पीठ थपथपाते हैं, कंधे पर हाथ रखते हैं, तब लगता है पिता से दूर होना यानि सागर से बंद होना जैसा ही है।* ***पिता से ही माँ का संसार है और माँ से परिवार का सुख आनंद है...!!!***

■अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पचमढ़ी में भाजपा के सांसद-विधायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया

जो अंतिम क्षण तक विद्यार्थी हैं, वही ला सकते हैं परिवर्तन

पचमढ़ी ■ एजेंसी

परिवर्तन वही ला सकते हैं, जो अंतिम क्षण तक विद्यार्थी रहते हैं, जिनमें सीखने की ललक होती है। आज पंचायत से लेकर पार्लियामेन्ट तक भाजपा की स्वीकारोक्ति देख सकते हैं। सुव्यवस्थित, शिक्षित, विकसित देश के लिए भाजपा सरकार जरूरी है। तीन साल में गंगानगर तक बहेगा सिन्धु जल, पाकिस्तान बून्द-बून्द के लिए तरसेगा। मध्यप्रदेश भाजपा की एक शानदार परंपरा रही है। स्व. कुशाभाऊ ठाकरे ने अपने जीवन का क्षण-क्षण पार्टी को समर्पित किया और स्वर्गीय राजमाता विजयाराजे सिंधिया एवं स्व. सुंदरलाल पटवा जी जैसे मनीषियों का इसे आशीर्वाद मिला है। हम सभी पार्टी के कार्यकर्ता हैं और पार्टी ने हमारी योग्यता तथा क्षमता के आधार पर हमें आगे बढ़ाया है, सांसद विधायक बनाया है। उक्त बातें केन्द्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने पचमढी में सांसद एवं विधायकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का दीप प्रज्जवलित एवं महापुरूषों को पुष्पांजलि अर्पित कर शुभारंभ करते हुए कहीं।

सरकार किसी की भी बने राज्य और देश समृद्धशाली होना चाहिए

अमित शाह का कहना रहा, डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे। धारा 370 हटाने के लिए कूच किए और उनकी हत्या हो गई। गौवंश पर सत्याग्रह, राम जन्मभूमि की यात्रा, एकता यात्रा, स्वर्ण जयंती भ्रष्टाचार मुक्त। धारा 370 के खिलाफ आंदोलन करते हुए डॉ. मुखर्जी ने देश की एक एक इंच की भूमि की सुरक्षा की। गौ हत्या पर प्रतिबंध, श्रीराम जन्मभूमि का कार्यक्रम सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का प्रतीक है। जिस देश की सरकारें सामाजिक जीवन के लिए कार्य करती हो वह भाजपा ही है। सरकार राष्ट्रवादी, विकास को समर्पित, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की पोषक होना चाहिए। सरकार किसी की भी बनी हो वह राज्य और देश के लिए समृद्धशाली होना चाहिए। समृद्धि का मार्ग अंत्योदय का होना चाहिए। समाज के गरीब तबके को सबसे समृद्ध व्यक्ति तक पहुंचाने की प्रक्रिया है और देश को समृद्ध बनाना हमारा एकमात्र लक्ष्य है। देश के लिए बीमारू राज्य शब्द बड़ा चर्चा का विषय था। बिहार के लिए ''बि'' मध्यप्रदेश के लिए ''एम'' और राजस्थान के लिए ''आर'' और उत्तर प्रदेश के लिए ''यू'' शब्द का इस्तेमाल कर बीमारू शब्द बनाया गया था। आज देश देख रहा है कि यह चारों राज्य आज प्रगतिशील और समृद्धशाली बनकर अन्य राज्यों को पीछे छोड़ रहे है और लगातार आगे बढ़ रहे है।

केन्द्र ने फैसलों को जमीन पर उतारकर देश में परिवर्तन आया

शाह का यह भी कहना था कि श्रीराम का मंदिर बना, देश में कोई दंगे नहीं हुए और मुसलमानों ने भी इसे स्वीकार किया, यही हमारी बड़ी उपलब्धि है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने विश्वस्तरीय काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनाई, महाकाल लोग सहित संसद भवन, कर्तब्य पथ बनाया, संसद में सिंगोल की स्थापना की। दुनिया भर में 300 से अधिक हमारे देवी देवताओं की मूर्तियों को वापिस लाकर मूल स्थान पर स्थापित करने का कार्य भाजपा ने किया है। सिन्धु जल सम्झौता तोकडर हामरा खून बहाने वाले को सबख सिखाया है। आर्थिक अनुशासन लाने के लिए मोदी सरकार ने योजनाबद्ध ढंग से फैसले लिए। इस आर्थिक दूरदर्शिता का परिणाम यह है कि आज भारत दुनिया की टॉप 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है। वैश्विक डिजिटल लेन देन के 49 प्रतिशत लेनदेन भारत में होते है। 2024 चन्द्रयान की सफलता और अब गगनयान की तैयारी इस बात का प्रमाण है कि मोदी का नया भारत केवल धरती पर नहीं, बल्कि अंतरिक्ष में भी आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के माध्यम से 81 करोड़ लोगों को मुफ्त 5 किलो अनाज, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक लोगों को पक्के घर बने, जल जीवन मिशन के तहत 15 करोड़ से अधिक घरों में नल से जल पहुचाया गया है।

नेता गलत बयानबाजी न करें

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अपने मुख्य उद्बोधन में कहा कि गलत बयानबाजी से हमारे सभी कार्यकर्ताओं को बचना है। गलती हो जाती है, गलती की पुनरावृत्ति न हो। व्यक्ति कितना बड़ा हो जाए उसे विद्यार्थी रहना चाहिए, इसी में उसकी सफलता है।

सत्र के प्रारंभ में अहमदाबाद में हुए हृदयविदारक विमान हादसे पर शोक व्यक्त किया गया। उद्घाटन सत्र की प्रस्तावना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने रखी। उद्घाटन सत्र को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सम्बोधित किया। सत्र के दौरान केन्द्रीय मंत्री शिवराजसिंह चौहान, भूपेन्द्र यादव, डीडी उइके, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह एवं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं राजेन्द्र शुक्ल मंचासीन रहे। संचालन प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने किया। शाह ने कहा कि देश जब आजाद हुआ, उस समय कांग्रेस का शासन था और कांग्रेस पार्टी पर पूरी तरह पं. नेहरू हावी थे। उस समय नेहरू सरकार ने जो नीतियां बनाई, उनमें देश की मिट्टी की सुगंध नहीं थी। उनमें हमारी चिर पुरातन संस्कृति का कोई प्रतिघोष नहीं था। वो पाश्चात्य संस्कारों से प्रेरित थीं। उस समय कई नेता थे, जो इन नीतियों से सहमत नहीं थे। उन्हीं में से एक थे डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी जो नेहरू मंत्रिमंडल में उद्योग मंत्री थे। पं. नेहरू ने जब नेहरू-लियाकत पैक्ट के फलस्वरूप कश्मीर में धारा 370 लगाई, तो डॉ. श्यामप्रसाद मुखर्जी जी ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

जो कार्य आजादी के 60 सालों में नहीं हुआ, 11 सालों में कर दिखाया

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जब हमारी सरकार बनी तक देश की अर्थव्यवस्था 11वें नंबर पर थी। देश जब आजाद हुआ, तक भारत की अर्थव्यवस्था 15वें नंबर पर थी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने ग्यारह साल में अर्थव्यवस्था को ग्यारहवें नंबर से चौथे नंबर पर लेकर आए। इस कार्यकाल की समाप्ति से पहले देश की अर्थव्यवस्था को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाएंगे। जो कार्य आजादी के बाद साठ सालों में नहीं हुआ, वह हमारी सरकार में ग्यारह साल में कर दिखाया। हमारी सरकार ने 12 करोड़ शौचालय बनवाने के साथ 68 लाख रेहड़ी-पटरी वालों को ऋण दिलाने के साथ विश्व के डिजिटल ट्रांजेक्शन का 49 प्रतिशत भारत में कराने का रिकॉर्ड बनाया। नक्सल हिंसा को हमने लगभग देश से पूरी तरह समाप्त कर दिया है। आज हमारी पार्टी का वजूद है तो विचारधारा के कारण। हमारी पार्टी की न विचारधारा बदली और और न ही कार्य संस्कृति बदली है। मध्यप्रदेश भाजपा ने सदस्यता अभियान में बहुत अच्छा कार्य किया है। पार्टी का आंतरिक लोकतंत्र पार्टी का परिचय कराता है। पार्टी के सिद्धांतों और आदर्शों पर चलना यही हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

भाजपा की केंद्र सरकार ने लोगों का जीवन स्तर सुधारने का कार्य किया

शाह ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में 27 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से बाहर आए हैं। प्रधानमंत्री जी ने डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर योजना के जरिए 3.9 लाख करोड़ रूपए के लीकेज को रोका। देश नक्सलवाद के खात्मे की ओर तेज़ी से बढ़ रहा है। सरकार ने समाज के हर वर्ग की चिंता की और उनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए निरंतर प्रयास किया। पिछले 11 वर्षों में वह विकास हुआ जो किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश ने विकसित भारत की दिशा में लंबी छलांग ली है, जिसमें सभी समाज वर्गों को साथ लेकर चलने पर जोर दिया गया। मोदी जी के सत्ता में आने के बाद पूरी दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ा है। पीएम मोदी एक मात्र ऐसे नेता है जो दुनिया भर के सबसे अधिक देशों में भारत रत्न जैसे उस देश के उच्च सम्मान से सम्मानित हुए है। नई शिक्षा नीति में 2047 की विकसित भारत की नींव है। इसमें भारत की सस्कृति, भाषा, कलाओं को मजबूती के साथ रखा गया है। एमपी ऐसा पहला राज्य है जहां मेडिकल की पढ़ाई हिन्दी भाषा में होती है। युवाओं को विश्व के युवाओं के साथ दो-दो हाथ करने का काम सरकार कर रही है। हमारे विचार यात्रा के दौरान आज हमारे सकंल्प की पूर्ति लगातार हो रही है। जनसंघ से भाजपा तक न हमारी विचारधारा बदली है न हमारी कार्य सस्कृति बदली है। एकात्म मानववाद और पंच निष्ठाएं हमारे वैचारिक अधिष्ठान है इन पर चलकर हम निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। हमें भारत 2047 तक विश्व का सबसे विकसीत राष्ट्र बनेगा यही भावना के साथ कार्य करना है।

एनआईए का एमपी-राजस्थान में आतंकियों पर एक्शन

देशद्रोही साजिश मामले में भोपाल में सर्च अभियान जारी

भोपाल ■ प्रतिनिधि

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को मध्य प्रदेश के भोपाल और राजस्थान के झालावाड़ में कई ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई आतंकी संगठन हिज़्ब-उत-तहरीर से जुड़े एक आतंकी साजिश के मामले में की गई है।

एनआईए की टीमों ने भोपाल में 3 और झालावाड़ में 2 स्थानों पर व्यापक तलाशी ली। यह अभियान एनआईए द्वारा एचयूटी और उसके सदस्यों की आतंकी गतिविधियों की चल रही है। तलाशी के दौरान, एनआईए की टीमों ने कई डिजिटल उपकरण ज़ब्त किए हैं, जिन्हें फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। जिसमे मोबाइल और लैपटॉप शामिल हैं।

एनआईए के मुताबिक हिरासत में लिए संदेही देशभर में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। ये आतंकी भारत की लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार को उखाड़ फेंकने और शरिया कानून द्वारा शासित एक इस्लामी राज्य स्थापित करने के लिए हिंसा फैलाने के लिए प्रेरित किया जा रहा था।

अशोका गार्डन में मोहसिन को हिरासत में लिया गया था। मोहसिन पर कार्रवाई 6 दिन पहले की गई थी। उसे कोर्ट में पेश कर 16 जून तक रिमांड पर लिया गया है।

राशन दुकान का 34 क्विंटल चावल जब्त, मामला दर्ज

गुना। जिले के आरोन क्षेत्र में सार्वजनिक वितरण प्रणाली का 34 क्विंटल चावल जप्त किया गया। जानकारी के अनुसार बीती रात जिला आपूर्ति अधिकारी अवधेश कुमार पाण्डेय, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आशीष चतुर्वेदी एवं राजस्व दल वर्धमान कॉम्प्लेक्स में स्थित विपिन जैन पुत्र कैलाश जैन की गोदाम पर पहुँचे।

गोदाम बंद होने से विपिन जैन को बुलाया गया, किन्तु वह अपने घर पर नहीं मिले। इसके मद्देनजर गोदाम को सील्ड किया गया। तत्पश्चात शनिवार को विपिन जैन की मौजूदगी में गोदाम को खोला गया। गोदाम में 76 कट्टे चावल वजन 34 क्विंटल रखा होना पाया गया। जिसका निरीक्षण करने पर चावल सार्वजनिक वितरण प्रणाली का निकला। जिसे जब्त किया गया। आरोपी के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

इजराइल ने ईरान पर दूसरे दिन भी किया अटैक

हमले में 138 ईरानी ढेर, रक्षा मंत्री की धमकी- मिसाइलें दागीं तो तेहरान को जलाकर राख कर देंगे

तेहरान/तेल अवीव ■ एजेंसी

इजराइल और ईरान के बीच टकराव दूसरे दिन भी जारी है। पिछले दो दिनों में ईरान में 138 लोग मारे गए हैं। इजराइल ने शुक्रवार रात 10.30 बजे दूसरी बार ईरान के परमाणु ठिकानों पर फाइटर प्लेन से हमले किए। इस हमले में 60 लोगों की मौत हो गई। जबकि 350 से ज्यादा लोग घायल हुए।

इससे पहले ईरान में शुक्रवार सुबह 5.30 बजे हुए हमले में 78 लोग मारे गए थे। इनमें 9 न्यूक्लियर साइंटिस्ट और 20 से ज्यादा ईरानी कमांडर्स शामिल थे। ईरान ने भी शुक्रवार रात इजराइली हमले के तुरंत बाद पलटवार किया और इजराइल पर 150 से ज्यादा मिसाइलें दागीं, जिनमें 6 राजधानी तेल अवीव में गिरीं।

इजराइल में अब तक 3 लोगों की मौत की खबर है। 7 जवान सहित 90 से ज्यादा घायल हुए हैं। ईरान ने दावा किया है कि मिसाइल इजराइली रक्षा मंत्रालय पर भी गिरी। हालांकि अभी तक इजराइल ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को सुरक्षित ठिकाने पर शिफ्ट कर दिया गया है। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने शनिवार को ईरान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई ने इजराइल पर और मिसाइलें दागीं, तो तेहरान जला देंगे। ईरान पर इजराइली हमले से ईरान-अमेरिका के बीच परमाणु वार्ता की संभावना कम हो गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शनिवार को कहा कि अमेरिका ईरान पर इजराइल के हमले का समर्थन कर रहा है। ऐसे में परमाणु वार्ता का कोई मतलब नहीं है। हालांकि, अराघची ने वार्ता रद्द करने की बात भी सीधे तौर पर नहीं कही। वहीं, अमेरिका ने कहा है कि वह ईरान पर इजराइली हमलों का हिस्सा नहीं है।

साउथ अफ्रीका पहली बार वर्ल्ड चैंपियन

27 साल बाद आईसीसी टूर्नामेंट जीता
डब्ल्यूडीसी के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया

लंदन ■ एजेंसी

साउथ अफ्रीका ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) जीत ली है। टीम ने शनिवार को डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हरा दिया। साउथ अफ्रीका क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट में पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बना है। इतना ही नहीं, टीम ने 27 साल के बाद कोई ICC टूर्नामेंट जीता है। टीम ने 1998 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में मैच के चौथे दिन लंच से पहले साउथ अफ्रीका ने 282 रन का टारगेट 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। ऐडन मार्करम ने 136 रन बनाए, जबकि टेम्बा बावुमा ने 66 रन की पारी खेली। काइल वेरियन ने 84वें ओवर में मिचेल स्टार्क के खिलाफ सिंगल लिया और अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिला दी।

अहमदाबाद विमान हादसा: 170 ताबूत तैयार करने का दिया ऑर्डर

अहमदाबाद। अहमदाबाद विमान हादसे में मरने वालों का आंकड़ा 275 पहुंचा गया है। शवों को रखने के लिए 170 ताबूत का ऑर्डर दिया गया। बड़ोदरा के शख्स ने बताया कि एअर इंडिया के मैनेजर ने फोन कर ताबूतों का ऑर्डर दिया। इधर, अहमदाबाद सिविल अस्पताल के डिप्टी सिविल सुपरिंटेंडेंट रजनीश पटेल ने शनिवार को कहा- अब तक 248 शवों के डीएनए सैंपल्स का क्रॉस वेरिफिकेशन हुआ है, जिसमें से 11 का डीएनए मैच हुआ है। पटेल ने कहा कि आज एक महिला का शव उनके परिवार को सौंपा गया।

असम के गुवाहाटी में बाढ़ के हालात; यूपी के वाराणसी में टेम्परेचर 42 डिग्री, ट्रांसफार्मर फेल

राजस्थान और मध्यप्रदेश में दिनभर लू चली, शाम को बारिश ने पहुंचाई राहत

दिल्ली/भोपाल/लखनऊ ■ एजेंसी

मानसून ने एक बार फिर से रफ्तार पकड़ ली है। पिछले 6 दिन से पड़ रही तेज गर्मी के बाद राजस्थान, मध्य प्रदेश के कई शहरों में शनिवार शाम को बारिश हुई। राजस्थान के श्रीगंगानगर, बीकानेर, अजमेर में प्री-मानसून एक्टिव रहा। शुक्रवार को श्रीगंगानगर देश का सबसे गर्म शहर था। यहां तापमान 49.4 डिग्री पहुंच गया था।

वहीं उत्तर प्रदेश के वाराणसी और मथुरा में अभी भी गर्मी और लू से राहत नहीं मिली है। वाराणसी में 42 डिग्री टेम्प्रेचर के कारण ट्रांसफॉर्मर फेल हो गए, जिन्हें कूलर से ठंडा किया गया। मथुरा में पारा 41 डिग्री पहुंच गया। यहां स्प्रिंकलर से सड़कों पर पानी छिड़का गया। मौसम के वैज्ञानिक नरेश कुमार ने बताया कि मानसून महाराष्ट्र में एक्टिव है। अगले दो दिनों में गुजरात की ओर बढ़ेगा, फिर ओडिशा और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों को कवर करेगा। मध्य प्रदेश में 16 जून तक मानसून की एंट्री हो सकती है।

पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में भारी बारिश का दौर जारी है। यह अगले दो दिनों में और ज्यादा असर दिखाएगा। शनिवार को असम के गुवाहाटी में बारिश के बाद आई बाढ़ से जन-जीवन प्रभावित हुआ है। उधर बीती रात पुणे में भारी बरसात हुई। पिंपरी चिंचवड़ शहर की सड़कों पर पानी भर गया। नाले में चार से पांच गाड़ियां बह गईं, गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ।

आज राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पंजाब, यूपी में गर्मी रहेगी, लू का अलर्ट है। वहीं पूर्वी राजस्थान और मप्र में बारिश का अलर्ट है। उत्तराखंड, सिक्किम, तेलंगाना, आंध्र, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, कोंकण, गोवा, असम, मेघालय, अरुणाचल, नगालैंड, मणिपुर, और ओडिशा में भारी बारिश का अलर्ट है।

प्रदेश में दक्षिणी पूर्वी जिलों से एंट्री करेगा मानसून, कई जिलों में हुई जोरदार बारिश

भोपाल। मध्य प्रदेश में अब जल्द ही मानसून प्रवेश करने वाला है। प्रदेश में यह तय समय पर ही सक्रिय हो सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक एक दो दिन के भीतर पहुंचने की संभावना है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस बार यह पूरे प्रदेश को तरबतर कर देगा। मध्यप्रदेश में पिछले साल 21 जून को मानसून आया था। इस बार मानसून का प्रवेश प्रदेश के दक्षिणी पूर्वी जिलों से होगा। प्रवेश के 5-6 दिनों में ही यह पूरे मध्यप्रदेश को कवर कर लेगा। इधर शनिवार को प्रदेश की राजधानी भोपाल समेत कई जिलों आंधी के साथ बारिश हुई। वहीं नर्मदापुरम में पारा सबसे ज्यादा 45.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जिला स्तरीय अंडर 17 फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ बालिका वर्ग के मैच से हुआ

सिवनी मालवा ■ निसं

2 दिवसीय जिला स्तरीय अंदर 17 फुटबॉल प्रतियोगिता का शनिवार को स्थानीय टैगोर पब्लिक स्कूल के प्रांगण में बालिका मैत्री मैच से शुभारंभ किया गया। जिसमें पिपरिया और सिवनी मालवा की बालिकाओं ने फुटबॉल मैच खेला। सिवनी मालवा की बालिका टीम ने पिपरिया बालिका टीम को 2 - 0 से हराया कर विजयी प्राप्त की। वही बालक वर्ग में नर्मदापुरम गुरुकुल स्कूल, सिवनी मालवा टैगोर पब्लिक स्कूल, आदर्श अकेडमी सिवनी मालवा, पिपरिया, इटारसी और सतवासा की फुटबॉल टीम के बीच 15 जून रविवार को मुकाबला होगा। फाइनल मुकाबला उसी दिन शाम 5 बजे खेलते हुए। प्रतियोगिता का समापन होगा। प्रतियोगिता के आयोजक विक्रम सूर्यवंशी पूर्व जिला महामंत्री युवा मोर्चा ने बताया कि प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार 7000 रुपए रविंद्र कुशवाह, द्वितीय पुरुस्कार 3000 रुपए डोरीलाल लौवंशी सिविल इंजीनियर, भोजन व्यवस्था नरेश कलवानी, सांत्वना पुरस्कार के रूप में प्रतीक चिन्ह सुरेश गुर्जर की ओर से प्रदान किए जाएंगे। फुटबॉल प्रतियोगिता में नारायण बावरिया, सुनील कलोसिया, रवि कुशवाह, पंकज सोनी, नीलेश नामदेव, अंकुर कलवानी, चमन राठौड़, तुषार लौवंशी, नरेश जयसवाल, संतोष शर्मा, राजा तिवारी, कैलाश मालवीय, तुषार लौवंशी, विवेक अमोद, टैगोर पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल की प्राचार्य दीपाली अवस्थी, रवि हरदुआ, अभिनव पुरोहित, सुजल वर्मा, अक्षत राजपूत सहित गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

इंदौर में फिर मिले 8 नए कोरोना मरीज

अब तक 112 पॉजिटिव में से 100 शहर के मरीज, 64 होम आइसोलेट

इंदौर ■ निसं

इंदौर में शनिवार को फिर कोरोना के आठ नए मरीज मिले हैं। ये सभी इंदौर निवासी हैं। इनकी ट्रैवल हिस्ट्री निकाली जा रही है। साथ ही इनके सैंपल जिनोम सीक्वेंसिंग के लिए भोपाल भेजे जा रहे हैं। इनके सहित अब तक कुल 112 कोरोना पॉजिटिव पाए गए जिनमें से इंदौर के 100 मरीज हैं। अभी 64 मरीज होम आइसोलेट हैं।

भाजपा नगर अध्यक्ष भी निकले पॉजिटिव: इससे पहले शुक्रवार को इंदौर में बीजेपी नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा सहित कोरोना के 16 नए मरीज मिले थे।

खास बात यह कि मरीजों की संख्या

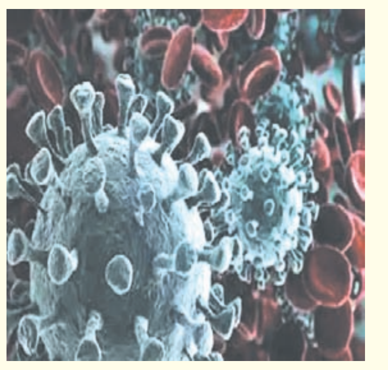

रोजाना बढ़ रही है। शुक्रवार को सात मरीजों को डिस्चार्ज भी किया गया था। प्रदेश में एक दिन में कोरोना के 27 नए मामले सामने आए थे।

इंदौर बीजेपी मीडिया सह प्रभारी नितिन द्विवेदी ने बताया कि मिश्रा को जुपिटर हॉस्पिटल में एडमिट कराया है। डॉक्टरों ने कोरोना और अन्य बीमारियों से संबंधित जांचें कराई हैं। इसमें कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई है। उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। वहीं कोरोना के नए मरीजों की ट्रैवल हिस्ट्री खंगाली जा रही है। इसके साथ ही इनके संपर्क में आए लोगों के भी सैंपल लिए जाएंगे।

वैरिएंट का पता लगाने यह सैंपल जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भोपाल लैब भेज जाएंगे। सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी ने बताया कि अभी जितने भी कोरोना मरीज मिल रहे हैं उनमें हल्के लक्षण हैं। सर्दी-खासी के कारण इन्होंने जांच कराई, जिसमें कोरोना की पुष्टि हुई। सभी मरीज अच्छी हालत में हैं और पैनिक जैसी स्थिति नहीं है।

अभी तीन मरीज अलग-अलग प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट हैं। इन्हें अन्य बीमारियां भी हैं। उनकी हालत ठीक है। इंदौर में अब तक कोरोना पॉजिटिव तीन महिलाओं की मौत हो चुकी है। इनमें से एक इंदौर, एक खरगोन और एक रतलाम की है। इन्हें दूसरी बीमारियां भी थी।

सरकारी स्तर पर एमवाय अस्पताल और एमआरटीबी अस्पताल में कोरोना की जांच हो रही है। ऐसे लोग जिन्हें सर्दी-खांसी हैं वे यहां कोरोना ऋझक्षट्क जांच करवा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सीएमएचओ ने खालवा के स्वास्थ्य केंद्रों का किया निरीक्षण

खंडवा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने शनिवार को विकासखण्ड खालवा के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खार, व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्रसूति कक्ष, प्रसूता वार्ड, एन.बी.एस.यू पैथालॉजी लैब का निरीक्षण कर बीएमओ को अस्पताल में नियमित रूप से वार्डों का राउंड लेने के लिये निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि अस्पताल में नियमित रूप से साफ-सफाई हो, यह भी सुनिश्चित करें। अस्पताल में आने वाले मरीजों के साथ मधुर व्यवहार किया जाये, अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा दी जाये ।इस दौरान ग्राम कुटबी की भर्ती प्रसुता महिला से भी स्वास्थ्य की जानकारी ली।उन्होंने कहा कि बर्थ वेटिंग वार्ड में हाई रिस्क महिलाओं को एक सप्ताह पूर्व भर्ती किया जाये, ताकि मातृ मुत्यु में कमी लाई जा सके।उन्होने कहा कि एन.बी.एस.यु मे कम वजन वाले शिशुओं को भर्ती किया जाये ताकि शिशु मृत्यु दर मे कमी लाई जा सके।सीएमएचओ डॉ. जुगतावत द्वारा पोषण पुर्नवास केन्द्र का निरीक्षण कर भर्ती बच्चों की माताओं से बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी चर्चा कर जानकारी ली गई।

खंडवा जिले के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

खंडवा। नोडल, प्राचार्य शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खण्डवा ने बताया कि खंडवा जिले की औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, जिसमें खंडवा, महिला खंडवा, नर्मदा नगर, खेड़ी, मूंदी, पंधाना एवं भगवानपुरा (किल्लौद) में इस वर्ष कुल 1504 सीटों पर विभिन्न ट्रेड्स में प्रवेश होगा, जिनमें विद्युतकार, फिटर, टर्नर, मशीनिष्ट, मैकेनिक मोटर, इलेक्ट्रॉनिक, ड्राफ्ट्समैन सिविल, ड्राफ्ट0 मैकेनिक, सर्वेयर, मैकेनिक डीजल, वेल्डर, स्टेनो हिंदी, कोपा, स्विंग टेक्नोलॉजी, सोलर टेक्नीशियन जैसे रोजगार मूलक ट्रेड्स में प्रवेश हेतु पंजीयन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जो कि पहले चरण में 16 जून तक चलेगी।पहली बार खंडवा जिले में 526 सीटों पर बेटियों तथा महिलाओं का सीधा प्रवेश होगा, उन्हें ये सीटें 35 प्रतिशत महिला आरक्षण के जरिए प्राप्त होंगी।

तेज रफ्तार एम्बुलेंस की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

जबलपुर। जबलपुर जिले के कुंडम थाना अंतर्गत मोहनी तिराहा पर एक तेज रफ्तार एम्बुलेंस ने मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों को टक्कर मार दी।हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। कुंडम थाना पुलिस के अनुसार, चौरई कला निवासी पारत सिंह कुलस्ते हाई स्कूल हरदुली में शिक्षक के पद पर पदस्थ हैं।उन्होंने नया मकान चौरई कला में बनाया है, जबकि पुराना मकान चौरई में स्थित है।उनका बेटा अमन कुलस्ते (21) अपने दोस्तों किस्सू सिंह (19) और अजय मार्को (19) के साथ शुक्रवार रात लगभग 8 बजे मोटरसाइकिल से नए मकान से पुराने मकान जा रहा था।

मप्र के बालाघाट के पचामा दादर जंगल में हुई मुठभेड़ में

तीन महिलाओं समेत चार नक्सली ढेर, ग्रेनेड लॉन्चर समेत अन्य हथियार बरामद

बालाघाट ■ निसं

मप्र के बालाघाट के पचामा दादर जंगल में हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने चार नक्सलियों को ढेर कर दिया। नक्सलियों के पास से ग्रेनेड लॉन्चर समेत अन्य हथियार बरामद किए गए हैं। जंगल में अभी सर्च ऑपरेशन जारी है।

मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में पुलिस और हॉक फोर्स ने चार नक्सली को मार गिराया। इनमें तीन महिला और एक पुरुष शामिल हैं। यह कार्रवाई शनिवार को नक्सल प्रभावित बिठली पुलिस चौकी क्षेत्र के पचामा दादर के घने जंगल में हुई। पुलिस और हॉक फोर्स की संयुक्त टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। नक्सलियों और पुलिस की मुठभेड़ के बाद क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। नक्सलियों के पास से भारी मात्रा में गोला बारूद बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार, पुलिस को खुफिया जानकारी मिली कि पचामा दादर के घने जंगलों में नक्सली अपनी गतिविधों को अंजाम दे रहे हैं। सूचना पर सुरक्षाबलों ने क्षेत्र को घेरकर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में सुरक्षाबलों ने भी फायरिंग की। इस कार्रवाई में चार नक्सली ढेर हो गए। मारे गए नक्सलियों के पास से ग्रेनेड लॉन्चर, एसएलआर, चार रायफल सहित अन्य हथियार और सामग्री बरामद हुई है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि मारे गए सभी नक्सली जीआरबी (गोंदिया-राजनांदगांव-बालाघाट) डिवीजन से जुड़े थे।

जंगल में सर्च अभियान जारी

बालाघाट एसपी आदित्य मिश्रा ने बताया कि मुठभेड़ के बाद जंगल में सर्ज ऑपरेशन चलाया जा रहा है। जंगल में अन्य नक्सलियों के भी होने की आशंका है, करीब 25 टीमें तलाशी अभियान में लगी हुईं हैं।

मिशन 2026 के तहत बड़ी सफलता

हाल ही में बालाघाट के नए पुलिस अधीक्षक का पदभार संभालने वाले आदित्य मिश्रा ने मिशन 2026 के तहत नक्सलियों के खात्मे को अपनी प्राथमिकता बताया था। पदभार ग्रहण के एक सप्ताह के भीतर ही इस बड़ी कार्रवाई को उनकी सफलता के रूप में देखा जा रहा है।

पहले भी मिली थी बड़ी कामयाबी

बता दें कि 19 फरवरी 2025 को भी बालाघाट पुलिस ने कान्हा के सूपखार फॉरेस्ट क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान चार महिला नक्सलियों को ढेर किया था। इनमें आशा, शीला, रंजीता और लख्खे मरावी शामिल थीं। इन चारों पर 62 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

विश्व रक्तदाता दिवस पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

खंडवा ■ निसं

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर खंडवा विधायक श्रीमती कंचन तनवे के निवास स्थल (परिसर में) सिविल सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कौशल के मार्गदर्शन में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।जिसमें विधायक श्रीमती कंचन तनवे व विधायक प्रतिनिधि मुकेश तनवे,वरिष्ठि समाज सेवी भावेश बिल्लौरे एवं अन्य प्रतिनिधियों जिसमें हरीश सेन, श्याम फूलमाली, बलदेव सिंह मौर्य, अर्जुन सिंह, प्रकाश तिरोले, प्राची टुटेजा, प्रीति वर्मा आदि द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान कर अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित किया। शिविर में डॉ. प्राजंलि द्वारा बताया गया कि रक्तदाता दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों में रक्तदान हेतु जागरूकता लाना और रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करना क्योंकि रक्तदान एक दर्द रहित क्रिया है, जो किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचा सकती है। इसीलिए रक्तदान करने के लिए अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करें, ताकि लोग इस पुनीत कार्य के लिए आगे आ सके। उन्होंने कुल 15 रक्त दाताओं का जिन्होंने रक्तदान किया उनका आभार व्यक्त किया गया द्य

इसी क्रम में दादाजी धूनीवाले जिला चिकित्सालय खंडवा में भी विश्व रक्तदाता दिवस पर लोगों ने बढ़ चढ़कर स्वैच्छिक रक्तदान किया गया जिसमें 25 यूनिट रक्तदान कर अन्य लोगों को भी इस कार्य के लिए आगे आने हेतु प्रेरित किया।

ग्वालियर से चंद्रशेखर आजाद रावण की चेतावनी

हाईकोर्ट परिसर में अंबेडकर प्रतिमा विवाद; कहा- यह समाज के सम्मान की बात है

ग्वालियर ■ निसं

आजाद समाज पार्टी (काशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर आजाद %रावण% शनिवार को ग्वालियर पहुंचे। उन्होंने हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ परिसर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रस्तावित मूर्ति स्थापना को लेकर बड़ा बयान दिया। चंद्रशेखर ने कहा कि यह मामला अब सिर्फ एक प्रतिमा का नहीं, बल्कि समाज के सम्मान का बन गया है। उन्होंने कहा- यह मामला फिलहाल हाईकोर्ट के भीतर विचाराधीन है और चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के पास लंबित है। हमने सीजेआई को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि इस मुद्दे को संवैधानिक तरीके से हल कराया जाए। हम चाहते हैं कि संविधान के दायरे में रहकर न्याय हो और मूर्ति की स्थापना हो। समाज की भावना जुड़ी है, इसीलिए हम चाहते हैं कि CJI स्वयं इस मसले का नेतृत्व करें।

18 जून को ले सकते हैं बड़ा फैसला: सांसद चंद्रशेखर ने आगे कहा- अगर जरूरत पड़ी, तो 18 जून को बड़ी बैठक बुलाकर अगली रणनीति बनाई जाएगी। बाबा साहेब

की प्रतिमा लगाना हमारे समाज की आत्मा की आवाज है।

सिर्फ मूर्ति नहीं, यह चेतना की स्थापना है: उन्होंने कहा- कुछ वकीलों ने आजाद समाज पार्टी को चुनौती दी थी। हमारे कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट तक की गई। उनकी भाषा और व्यवहार दोनों अपमानजनक थे। लेकिन अब जो जन आक्रोश पनप रहा है, वह सिर्फ स्थानीय नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर असर डालेगा। हम उम्मीद करते हैं कि सुप्रीम कोर्ट इस पर संज्ञान लेकर रास्ता निकालेगा।

पार्टी का रुख साफ - प्रतिमा जरूर लगेगी: आजाद समाज पार्टी प्रमुख ने दोहराया कि चाहे जो भी बाधा हो, समाज की भावना के साथ कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा- हम बाबा साहेब की मूर्ति को ग्वालियर हाईकोर्ट परिसर में स्थापित करवा कर ही रहेंगे। यह संविधान, न्याय और सामाजिक सम्मान की लड़ाई है, जिसे हम पूरी ताकत के साथ लड़ेंगे। बता दें कि आजाद समाज पार्टी और सांसद चंद्रशेखर आजाद उर्फ रावण आज उत्तर प्रदेश झांसी में प्रबुद्ध सम्मेलन सभा में शामिल और संबोधित करने के लिए ग्वालियर एयरपोर्ट पर पहुंचे थे।

MBBS की पढ़ाई के नाम पर 8 लाख की ठगी

यूक्रेन से लौटी छात्रा के साथ धोखाधड़ी, एडमिशन का झांसा देकर भेजा था कजाकिस्तान, 4 गिरफ्तार

उज्जैन ■ निसं

रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते एमबीबीएस की पढ़ाई बीच में छोड़कर भारत लौटी इंदौर की छात्रा के साथ उज्जैन के दलालों ने 8 लाख रुपए की ठगी कर दी। आरोपी ने पढ़ाई पूरी कराने के नाम पर छात्रा को कजाकिस्तान भेज दिया, जहां न तो एडमिशन हुआ और न ही कोई ठिकाना मिला। वहां छह महीने तक परेशान होने के बाद छात्रा ने भारतीय दूतावास की मदद से वापसी की और फिर उज्जैन आकर स्न्ह्वक्रदर्ज कराई। महाकाल थाना पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

2018 में लिया था एडमिशन, 2022 में लौटना पड़ा था भारत: एसपी प्रदीप शर्मा के मुताबिक, उज्जैन निवासी कृति यादव ने 2018 में उज्जैन के आरिफ खान के जरिए जॉर्जिया में एमबीबीएस में एडमिशन लिया था। छात्रा वहां चार साल की पढ़ाई कर रही थी, लेकिन 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते उसे भारत लौटना पड़ा। पढ़ाई के शेष एक साल के लिए उसने दोबारा आरिफ खान से संपर्क किया।

कजाकिस्तान भेजने के नाम पर लिए रुपए और दस्तावेज: आरिफ ने अपने साथियों शाहरुख मंसूरी, गोमू और शाहीन मंसूरी के साथ मिलकर कृति को कजाकिस्तान की ताशकंद मेडिकल एकेडमी की उर्गेज ब्रांच में एडमिशन का झांसा दिया। एडमिशन के नाम पर उन्होंने छात्रा से 3 लाख रुपए, पासपोर्ट, मार्कशीट और अन्य दस्तावेज ले लिए। इस पूरी प्रक्रिया की कोई रसीद नहीं दी गई।

जब कृति ने रसीद की मांग की और कजाकिस्तान जाने से इनकार किया, तो आरोपियों ने उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी और 5 लाख रुपए और ट्रांसफर करवा लिए। कुल 8 लाख रुपए की वसूली कर ली गई।

कजाकिस्तान पहुंचते ही फंसी छात्रा, एजेंटों ने किया परेशान: रुपए देने के बाद मजबूरी में जब छात्रा कजाकिस्तान पहुंची तो पता चला कि उसका किसी मेडिकल कॉलेज में एडमिशन नहीं हुआ है। आरोपी और उनके विदेशी एजेंट लगातार झूठे आश्वासन देते रहे।

दो साल पहले गुम मोबाइल से खाते से उड़ाए 11 लाख, गांव के कियोस्क संचालक ने की ठगी; आरोपी गिरफ्तार

कटनी ■ निसं

मध्यप्रदेश के कटनी जिले की बाकल थाना पुलिस ने एक बड़ी साइबर ठगी का खुलासा किया है। मामला बाकल थाना क्षेत्र के ग्राम बसेहड़ी से जुड़ा है, जहां रेलवे से सेवानिवृत्त एक बुजुर्ग के बैंक खाते से 11 लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी की गई थी। साइबर ठगों ने मृतक व्यक्ति की पहचान का दुरुपयोग कर, विभिन्न फर्जी बैंक खातों के माध्यम से यह ठगी की। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मोबाइल गुम होने से शुरू हुई साजिश: जानकारी के अनुसार, ग्राम बसेहड़ी निवासी प्रेमलाल बर्मन का मोबाइल करीब दो साल पहले गुम हो गया था। यह नंबर उनके बैंक खाते से लिंक था। बदमाशों ने इसी नंबर का दुरुपयोग कर एयरटेल पेमेंट ऐप में एक फर्जी अकाउंट बनाकर 11 लाख रुपये की ठगी को अंजाम दिया। बैंक खाते से लगातार हो रही रकम की निकासी पर प्रेमलाल

बर्मन का परिवार सतर्क हुआ और बाकल थाने के साथ-साथ कटनी एसपी कार्यालय में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने साइबर सेल को जांच के निर्देश दिए।

गांव के ही व्यक्ति ने रची थी साजिश: पुलिस के अनुसार, प्रेमलाल बर्मन के बेटे लालजी बर्मन की शिकायत पर सेंट्रल बैंक से संपर्क कर खाते का स्टेटमेंट निकलवाया गया। इसमें ठगी की पुष्टि हुई। इसके बाद 10 जून को बाकल थाने में भारतीय न्याय संहिता (क्चहृस्) की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी मनोहर लोधी, जो पीड़ित के ही गांव में कियोस्क चलाता था, ने अपने साथियों रोहित लोधी और सौरभ लोधी के साथ मिलकर इस साइबर ठगी को अंजाम दिया। उन्होंने पहले प्रेमलाल की गुम हुई सिम का क्लोनिंग के जरिए दुरुपयोग किया, फिर मृतक रामकुमार लोधी के नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर एयरटेल पेमेंट बैंक और फोनपे जैसे प्लेटफॉर्म से बड़ी रकम का लेनदेन किया।

एसपी अभिनय विश्वकर्मा ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। उनके खिलाफ धोखाधड़ी और अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है।

बरगी पावर हाउस में बिजली उत्पादन ठप

इलेक्ट्रिकल गड़बड़ी से रुकी टरबाइन, जबलपुर को गेट खोलकर मिल रहा पानी

जबलपुर ■ निसं

जबलपुर के बरगी बांध के पावर हाउस में दो दिन से बिजली उत्पादन बंद है। यहां हर दिन करीब एक लाख यूनिट बिजली बनती थी, लेकिन इंजीनियरिंग विभाग की लापरवाही से यह काम रुक गया है। बताया जा रहा है कि बिजली यूनिट को फिर से शुरू करने में करीब 10 दिन लग सकते हैं।

काम के दौरान हुई गलती, टरबाइन रुक गई: 9 जून को यूनिट नंबर-1 में सालाना मरम्मत का काम (एओएच) हो रहा था। इस दौरान पैनल और कार्ड बदले जा रहे थे। लेकिन लापरवाही की वजह से यूनिट-2 के पैनल का टरबाइन से संपर्क टूट गया। अब टरबाइन चालू

नहीं हो रही है, इसलिए बिजली बनना बंद है। बिजली कंपनी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि जब ये तकनीकी काम हो रहा था, उस वक्त पावर हाउस का इलेक्ट्रिकल इंजीनियर मौजूद नहीं था। काम ठेका कंपनी के इंजीनियर कर रहे थे। इसी लापरवाही से कंपनी को करोड़ों रुपए का नुकसान हो रहा है। पावर हाउस के अफसर आश्रित कुमार का कहना है कि यह हर साल होने वाला मेंटेनेंस है, जिससे घबराने की जरूरत नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा विधायक ने फिर एसपी पर लगाए आरोप

भोपाल। पिछोर से बीजेपी विधायक प्रीतम लोधी अपने बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। एक बार फिर नेताजी सुर्खियां बटोर रहे हैं। विधायक का कहना है कि पुलिस उनके मोबाइल की रिकॉर्डिंग कर रही है। उनका यह भी आरोप है कि कुछ पुलिस कांग्रेस के कार्यकर्ता बनकर काम कर रहे हैं। बता दें कि बीजेपी विधायक प्रीतम लोधी ने शिवपुरी पुलिस अधीक्षक पर यह आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि शिवपुरी एसपी के कहने पर ग्वालियर पुलिस मेरे मोबाइल की रिकॉर्डिंग कर रही है। हमारा एसपी कांग्रेस मानसिकता का है। कांग्रेस मानसिकता के अधिकारियों को लेकर मैं सरकार और संगठन में शिकायत किया हूं। विधायक ने यह भी कहा कि प्रदेश में सरकार हमारी है पर अधिकारी हमारे नहीं हैं। हालांकि, इस पूरे मामले में कार्रवाई को लेकर उन्होंने संगठन और सरकार से बात की है। गौरतलब है कि इससे पहले भी प्रीतम लोधी ने शिवपुरी एसपी पर पहले भी जासूसी के आरोप लगाए थे।

आधी रात दीवार फांदकर घुसे 3 नशेड़ी, अधिकारियों ने घेराबंदी कर दबोचा

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित वन विहार राष्ट्रीय उद्यान की सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। जहां दो नाबालिग और एक बालिग दीवार फांदकर वन विहार में घुस गए, जिससे अधिकारियों और कर्मचारियों में हडकंप मच गया। हालांकि, बाद में उन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया। दरअसल, बीती देर रात तीनों लडक़े मानव संग्रहालय की दीवार फांदकर वन विहार में घुसे गए। जिसकी जानकारी मिलते ही अधिकारी हरकत में आए और घेराबंदी कर उन्हें धर दबोचा। दो आरोपी मानव संग्रहालय की दीवार के पास से पकड़ाए। जबकि तीसरा आरोपी वन विहार से पकड़ाया। बताया जा रहा है कि आरोपी नशे के आदी हैं। शिकार करने की नीयत से वन विहार में घुसे थे। आरोपियों के पास से एक बाइक भी बरामद की गई है।

अपर मुख्य सचिव जाचेंगे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता

भोपाल। लोक निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव अब प्रदेश में ताल, तलैया, पुल, पुलिस समेत भवन निर्माण की गुणवत्ता को जाचेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने लोक निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव को मप्र कार्य गुणवत्ता परिषद के महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। सामान्य प्रशासन विभाग के उप सचिव अजय कटेसरिया द्वारा जारी आदेश में किसी अधिकारी का नाम नहीं है। हालांकि लोक निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव का अतिरिक्त प्रभार ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई के पास है। प्रदेश में सभी तरह के निर्माण कार्यों की गुणवत्त को जांचने के लिए एक एजेंसी मप्र कार्य गुणवत्ता परिषद है। पूर्व में इस एजेंसी का नाम मुख्य तकनीकी परीक्षक होता था। जिसमें प्रमुख अभियंता के रूप में लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय या जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ इंजीनियर को 3 साल की प्रतिनियुक्ति पर रखा जाता था।

नियमित रूप से रक्तदान करके मानवता के यज्ञ में बनें भागीदार- उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि रक्तदान महादान है। रक्तदान से कई जिंदगियों को बचाया जा सकता है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे अधिकाधिक संख्या में स्वैच्छिक रक्तदान कर इस मानवीय अभियान को सशक्त बनाएं। रक्तदान किसी व्यक्ति को जीवनदान देने जैसा है। उन्होंने आह्वान किया कि रक्तदान को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं और नियमित रूप से रक्तदान करके मानवता के इस यज्ञ में भागीदार बनें।

मप्र पुलिस में बड़े तबादले की तैयारी

आरक्षक से लेकर एसपी स्तर के अधिकारी बदलेंगे

भोपाल ■ निसं

मप्र में इस समय तबादलों का दौर चल रहा है। 17 जून तक तबादले करने की समय सीमा बढ़ा दी गई है। सभी विभाग तबादले करने में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में पुलिस विभाग में बड़े फेरबदल की तैयारी चल रही है। जानकारों का कहना है कि आरक्षक से लेकर एसपी स्तर तक के अधिकारियों को इधर-उधर किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक पीएचक्यू के उच्च अधिकारियों के बीच इस मामले को लेकर काम जारी है। इसके लिए अधिकारियों के कार्यों की समीक्षा की जा रही है। गौरतलब है कि सरकार ने अभी हाल ही में पुलिस अधिकारियों का तबादला किया है। उसके बाद भी कई जिलों में एसपी सहित अन्य अधिकारियों के तबादले होने हैं। सूत्रों का कहना है कि 115 एएसपी और डीएसपी रैंक के अधिकारियों की सूची तैयार हो चुकी है, जिसे अंतिम सहमति बनाने के बाद जारी कर दिया जाएगा। इस सूची में करीब 100 से अधिक डिप्टी एसपी शामिल बताए जा रहे हैं। तीन साल से ज्यादा समय से जिलों में पदस्थ एसपी बदले जाएंगे। इनमें प्रमुख रूप से सतना एसपी आशुतोष गुप्ता और नर्मदापुरम एसपी गुरकरण सिंह का नाम शामिल बताया जा रहा है। दोनों तीन साल से एक ही जिले में हैं। दो साल से ज्यादा से जमे एसपी के कार्यकाल का आंकलन किया जाएगा।

एसपी को बदलने का क्राइटेरिया

जानकारी के अनुसार सरकार द्वारा एसपी को बदलने प्रमुख रूप से दो क्राइटेरिया बनाए गए हैं। पहला है ढाई या इससे ज्यादा अवधि से जमे एसपी के काम का रिव्यू। दूसरा है सरकार की ओर से करवाया जा रहा फीडबैक सर्वे। इसी के आधार पर सर्जरी की जाएगी। बीती 31 मई को प्रधानमंत्री मोदी के आगमन से पहले भी बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की गई थी। गृह विभाग ने डीएसपी रैंक के 53 पुलिस अधिकारियों की तबादला सूची जारी की थी। इसमें भोपाल और इंदौर कमिश्नरेट के पुलिस अधिकारी भी शामिल थे। पीएचक्यू में पदस्थ डीएसपी सतीश कुमार को मंडला और मैहर में पदस्थ एसडीओपी राजीव कुमार पाठक को पीएचक्यू में नई पदस्थापना दी गई थी। एसडीओपी अभिनव मिश्रा को शहडोल से भोपाल सहित अन्य के तबादले किए गए थे।

लंबी समयावधि से एक ही स्थान पर कार्य करने से निहित स्वार्थ की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता जिससे न सिर्फ पुलिस कार्यप्रणाली की पारदर्शिता प्रभावित होती है, वरन आमजन को शिकायत के अवसर भी प्राप्त होते हैं। पत्र में कहा गया है कि आवश्यक है कि लंबी अवधि से एक ही कार्यालय में पदस्थ कर्मचारियों की पदस्थापना में समय-समय पर परिवर्तन किया जाए जिससे न केवल अधिकारी/कर्मचारियों की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि शिकायत की संभावना भी कम होकर पुलिस की निष्पक्ष छवि प्रदर्शित होगी। पत्र में यह निर्देशित किया गया है कि लंबे समय से पदस्थ कर्मचारीगण जैसे रीडर/स्टेनो एवं उनके सहायक कर्मचारियों के सेवाकाल का परीक्षण कर यथासंभव अन्यत्र पदस्थ कर कार्यवाही से पीएचक्यू को अवगत कराएं।

रीडर स्टेनो और सहायक कर्मचारी हटेंगे

लंबे समय से एक ही कार्यालय में जमे रीडर-स्टेनो और उनके सहायक कर्मचारियों के संबंध में पुलिस मुख्यालय की ओर से जोन के आईजी समेत अन्य आला अधिकारियों को पत्र जारी किया गया है। पत्र में ऐसे कर्मचारियों को हटाकर अन्यत्र पदस्थ कर इस कार्यवाही से अवगत कराने के लिए कहा गया है। विशेष महानिदेशक (प्रशासन) पुलिस मुख्यालय, भोपाल आदर्श कटियार के द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि मध्य प्रदेश पुलिस की इकाई कार्यालय जिनमें पुलिस महानिरीक्षक जोन कार्यालय/ उपपुलिस महानिरीक्षक रेंज कार्यालय/पुलिस अधीक्षक कार्यालय/ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय / एसडीओपी कार्यालय मैं कुछ कर्मचारी जैसे रीडर/स्टेनो एवं उनके सहायक कर्मचारी लंबे समय से एक ही कार्यालय में पदस्थ होकर कार्य कर रहे है।

फ्यूचर्ड और आईसेक्ट इनोवेशन स्टूडियों का हुआ उद्घाटन

भोपाल ■ निसं

गुणवत्तापूर्ण और अंतरराष्ट्रीय स्तर की कौशल शिक्षा प्रदान करने के प्रयास के तहत आईसेक्ट एवं फ्यूचर्ड के बीच साझेदारी की गई है। इस पहल के अंतर्गत शुक्रवार को भोपाल स्थित आईसेक्ट के सारथान ऑफिस में फ्यूचर्ड-आईसेक्ट इनोवेशन स्टूडियो का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर बतौर अतिथि फुटरेड इनोवेशन, लंदन के डायरेक्टर पुनीत गुप्ता उपस्थित रहे। इसके अलावा अन्य अतिथियों में संत रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क के पूर्व निदेशक शमीमुद्दीन, स्कोप डिफेंस एकेडमी के डायरेक्टर मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव और आईसेक्ट से मुकेश शर्मा, नेशनल प्लेसमेंट हैड उद्दीपन चटर्जी, स्किल डेवलपमेंट डायरेक्टर डॉ. अजय भूषण उपस्थित रहे।

इस दौरान कार्यक्रम में पुनीत गुप्ता ने प्रोग्राम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इसकी खासियत है कि यह एक इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी से डिग्री प्रोग्राम है। इसमें स्टूडेंट्स को विदेश में पढ़ाई करने के अवसर के साथ वर्ल्ड के टॉप एक्सपर्ट से पढने और बेस्ट इंडस्ट्री एक्सपोजर प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

वहीं, डॉ. अजय भूषण ने अपने वक्तव्य में बताया कि आईसेक्ट एवं फ्यूचर्ड के बीच समझौता हस्ताक्षर किया गया है जिसके अंतर्गत छात्रों को अंडरग्रेजुएट एवं पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम्स की पहल की जा रही है। इसके लिए फ्यूचर्ड-आईसेक्ट इनोवेशन स्टूडियों की स्थापना भोपाल एवं इंदौर में की जा रही है। भोपाल के बाद 14 जून को इंदौर में इनोवेशन स्टूडियो का उद्घाटन किया जाएगा।

निगम अमले ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से हटाए अतिक्रमण

गुमठी, ठेले, साईकिल, कैरेड, काउंटर, पान पार्लर, तराजू आदि किए जप्त

भोपाल ■ निसं

नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने तथा अवैध निर्माणों को तोड़ने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सीएम हेल्प लाईन, कॉल सेंटर व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत विभिन्न क्षेत्रों से मैकेनिक, फल-सब्जी, पान, अन्य खाद्य पदार्थों के व्यवसायियों के अतिक्रमणों के साथ ही अवैध रूप से ट्रक पर रखी गई भवन निर्माण सामग्री, चार पहिया वाहन, फर्सियां आदि को हटाया और गुमठी, ठेले, साईकिल, स्टूल, काउंटर, कुर्सी, टीन की चादर, पान पार्लर, छतरी, कैरेड, तराजू आदि जप्त किए। निगम अमले ने बैरागढ़ रेल्वे ब्रिज के पास मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के कार्यों में बाधक 10 दुकानों को भी तोड़ने की कार्यवाही की।

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने शनिवार को बोर्ड आफिस, एम.पी.नगर जोन-01, रानी कमलापति रेल्वे स्टेशन, बाबा नगर, शाहपुरा, लिंक रोड नंबर 01, 02, 03, टी.टी.नगर गेमन इंडिया, माता मंदिर, नेहरू नगर, भदभदा रोड, नीलबड़, रातीबड़, कोलार डी मार्ट, बीमाकुंज, सर्वधर्म पुलिया, बावड़िया कलां, आशिमा मॉल, बैरागढ़ मिनी मार्केट, हलालपुर बस स्टैण्ड, बैरागढ़ रेल्वे ब्रिज, तलैया, बुधवारा, अल्पना तिराहा, हमीदिया रोड, करोद, विश्वकर्मा नगर, आरिफ नगर, अशोका गार्डन मंडी चौराहा आदि क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए अशोका गार्डन व बाबा नगर क्षेत्र से रेत, गिट्टी, कोपरा, ईट आदि को हटाया तथा विश्वकर्मा नगर में नालियों के ऊपर अवैध रूप से रखी फर्सियां, तलैया, बुधवारा, हमीदिया रोड, आरिफ नगर आदि क्षेत्रों में दुकानों के बाहर रखा सामान को हटवाने की कार्यवाही की। निगम अमले ने विभिन्न क्षेत्रों से अवैध रूप से लगाये गये हाथ ठेले, गुमठी, छतरी, मैकेनिक व कबाड़े का सामान, अवैध रूप से बनें छप्पर व आवागमन में बाधक चार पहिया वाहन आदि को हटवाया और 05 गुमठियां, 03 ठेले, 04 साईकिले, 30 कैरेड, 01 छतरी, 01 स्टूल, 01 काउंटर, 01 पान पार्लर, 01 कुर्सी, 01 टीन की चादर, 01 तराजू आदि जप्त किया। निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने बैरागढ़ रेल्वे पुल के पास मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के कार्यों में बाधक 10 अवैध दुकानों को भी तोड़ने की कार्यवाही की।

वन सुरक्षा श्रमिक के लंबित वेतन भुगतान को लेकर सौंपा ज्ञापन

भोपाल। मप्र कर्मचारी मंच वन विभाग के प्रतिनिधिमंडल ने वन विभाग वन्य प्राणी शाखा के प्रधान मुख्य वन संरक्षक शुभ रंजन सेन को वन सुरक्षा श्रमिक के लंबित वेतन भुगतान करने की मांग को लेकर वन भवन में ज्ञापन सोपा। मप्र कर्मचारी मंच वन विभाग के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि बाघ सुरक्षा में लगे सुरक्षा श्रमिकों को पिछले 4 माह से वेतन भुगतान नहीं किया जा रहा है। इस कारण सुरक्षा श्रमिकों के समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। बाघ सुरक्षा जैसी संवेदनशील ड्यूटी में लगे होने के बावजूद भी विभाग द्वारा समय पर वेतन भुगतान नहीं किया जाता है और ना ही किसी प्रकार के सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाते है। इस कारण सुरक्षा श्रमिकों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वेतन समय पर भुगतान नहीं किया जाता है, इस कारण बच्चों को पढ़ाने में एवं प्रतिदिन की जरूरत को पूरा करने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

एलएनसीटी ने रचा इतिहास

INNOVATEX 2025 बना मध्य भारत का सबसे बड़ा स्टार्टअप मंच

भोपाल ■ निसं

भोपाल में इनोवेशन की लहर उस वक्त देखने को मिली जब एलएनसीटी ग्रुप द्वारा आयोजित INNOVATEX 2025 ने युवाओं के सपनों को नई उड़ान दी। यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मध्य भारत में स्टार्टअप संस्कृति की दिशा बदलने वाला ऐतिहासिक कदम साबित हुआ।

आर्यभट्ट ऑडिटोरियम, एलएनसीटी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस, रायसेन रोड पर आयोजित इस इवेंट में 100 से अधिक स्टार्टअप्स ने हिस्सा लिया, जिसमें इनोवेशन, तकनीक और आत्मनिर्भरता की गूंज साफ सुनाई दी।

कार्यक्रम की खास बात यह रही कि इसमें खादी इंडिया लाउंज, रूस्स्ध मंत्रालय से संजीव राणा, एजुकेटर और इन्फ्लुएंसर हर्षवर्धन शर्मा, Winsible की को-फाउंडर दामिनी त्रिपाठी और एलएनसीटी ग्रुप के सचिव डॉ. अनुपम चौकसे जैसे प्रभावशाली वक्ताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इनकी मौजूदगी ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ा दिया।

ब्रिज बनाने वाले इंजीनियर बोले-नहीं था कोई विकल्प

ऐशबाग आरओबी में 35 से ज्यादा स्पीड पर हो सकता है खतरा

भोपाल ■ निसं

राजधानी भोपाल के ऐशबाग रेलवे क्रॉसिंग पर बनाए गए ओवर ब्रिज देश भर में चर्चा का विषय बना हुआ है। 90 डिग्री के मोड़ होने के कारण हादसों का पॉइंट बन सकता है। इसे बनाने वाले इंजीनियरों का कहना है कि उनके पास इसके अलावा और कोई विकल्प नहीं था। इधर मामला राष्ट्रीय स्तर का बनने के बाद पीडब्ल्यूडी मंत्री ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) से जांच कराया जिसमें कहा गया है कि इस ओवर ब्रिज पर 35-40 किमी प्रति घंटा से अधिक गति से गाड़ी नहीं चलाया जा सकता है। इससे अधिक स्पीड में गाड़ी चली तो हादसा होने का खतरा है।

उस समय के कार्यपालन यंत्री जावेद शकील ने अमर उजाला को बताया कि ब्रिज बनाने से पहले इस पर चर्चा हुई थी लेकिन कोई दूसरा विकल्प नहीं था। आस-पास बड़ी बिल्डिंगे और स्टेडियम होने से कोई अन्य अलाइनमेंट संभव नहीं था। एनएचएआई की जांच टीम ने भी यही कहा है। उन्होने कहा कि अब तो मेरा ट्रांसफर हो चुका है। इस पर और अपडेट नहीं दे सकते हैं। वहीं चीफ इंजीनियर जीपी वर्मा ने मामला सुनते ही कहा कि मै अभी मीटिंग में हूं। बात नहीं कर सकता हूं।

इन इंजीनियरों की लापरवाही से बना त्रिकोण मोड़

पीडब्ल्यूडी ब्रिज सेक्शन के चीफ इंजीनियर जीपी वर्मा, कार्यपालन यंत्री जावेद शकील और आरओबी के पूर्व एसडीओ रवि शुक्ला ये तीन इंजीनियर इस प्रोजेक्ट को लीड कर रहे थे। जिनकी लापरवाही की वजह से देश का पहला आरओबी ऐशबाग होगा जिसका त्रिकोण मोड़ बनाया गया। हैरत की बात यह है कि गलती उजागर होने से पहले ही कार्यपालन यंत्री जावेद शकील का ट्रांसफर कर दिया गया है। वह भी तब जब कार्यपालन यंत्री के रिटायरमेंट में मात्र 10 माह शेष बचे हैं।

टिकाऊ इंजीनियरों ने भोपाल को बना दिया आड़े-टेढ़ी सड़क और पुलों की राजधानी

ऐशबाग आरओबी को 90 डिग्री का घुमाव देकर घटिया इंजीनियरिंग का एक और नमूना पेश किया

भोपाल ■ निसं

लोक निर्माण विभाग में सरकार के चहेते इंजीनियरों ने भोपाल को आड़ी, टेड़ी सडक़, पुल और पुलियों की राजधानी बना दिया है। कोलार फोरलेन, अंबेडकर ओवर ब्रिज की खामी के बाद अब ऐशबाग रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण में तकनीकी खामी और बेतरतीब निर्माण की सारी हदें पार कर दी हैं। इंजीनियरों ने पुराने शहर के ऐशबाग क्षेत्र में 18 करोड़ की लागत से बन रहे रेलवे पुल को 90 डिग्री घुमा दिया है, जिससे लोनिवि का पूरा इंजीनियरिंग सिस्टम ही कठघरे में है। हालांकि सरकार जांच के नाम पर खानापूर्ति में जुट गई है। जबकि पुल के भूमिपूजन से लेकर

निर्माण पूरा होने तक स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं इंजीनियरों ने कई बार निरीक्षण किया, लेकिन गलत डिजाइन पर सभी ने आंखें बंद रखीं।

राजधानी के ऐशबाग क्षेत्र में रेलवे फाटक पर 18 करोड़ की लागत से ओवर ब्रिज बनाया गया। लेकिन इंजीनियरों ने पुल को ऐसे डिजाइन किया है कि देश ही नहीं दुनिया भर में मप्र की घटिया इंजीनियरिंग की चर्चा हो रही है। वीडियो वायरल हो रही है। खास बात यह है कि इस मामले में अभी तक विभाग ने किसी की जिम्मेदारी तय नहीं की है। विभाग के मंत्री राकेश सिंह ने जांच के निर्देश दिए हैं। मंत्री के निर्देश पर लोनिवि की जांच टीम भी पुल पर घूम आई है। हर बार की तरह इस बार भी खानापूर्ति के लिए निचले स्तर के दो इंजीनियरों को नोटिस देने और दो को निलंबित करने की तैयारी चल रही है।

राजधानी परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता संजय मस्के पर सरकार पूरी तरह से मेहरबान है। मस्के के मुख्य अभियंता रहते 40 करोड़ से कोलार फोनलेन निर्माण, 153 करोड़ का अंबेडकर सेतु निर्माण, 18 करोड़ का ऐशबाग रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण हुआ है।

हिज्ब-उत-तहरीर संगठन की आतंकी साजिश का पर्दाफाश

आतंकी साजिश को लेकर एनआईए ने भोपाल में तीन जगह मारी रेड

भोपाल ■ निसं

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकी साजिश को लेकर मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में तीन स्थानों पर और राजस्थान के झालवाड़ में दो स्थानों पर छापे मारे हैं। हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) संगठन से जुड़े लोगों पर यह एक्शन लिया गया है।

इस दौरान एनआईए द्वारा कुछ डिजिटल डिवाइस भी जब्त किए जाने की सूचना है। जानकारी के मुताबिक हिज्ब-उत-तहरीर संगठन देश में सरकार को हटाकर इस्लामिक स्टेट स्थापना की साजिश रच रहा था। ये कमजोर वर्ग के मुस्लिम युवाओं का ब्रैनवॉश का काम कर रहे थे। युवाओं को कट्टरपंथी बनाने की साजिश रची जा रही थी।

केंद्र सरकार ने हिज्ब-उत-तहरीर संगठन पर प्रतिबंध लगाया है। यह संगठन देश में शरिया कानून लागू करने की साजिश रच रहा था। भोपाल में इसके सदस्यों के होने की सूचना पर पहले भी जांच एजेंसियां इन पर कार्रवाई कर चुकी हैं।

एटीएस की मदद से की कार्रवाई

सूत्रों की माने तो भोपाल के अशोका गार्डन इलाके से मोहसिन नाम के युवक को हिरासत में लिया गया था। मोहसिन पर कार्रवाई 6 दिन पहले की गई थी। उसे कोई में पेश कर 16 जून तक रिमांड पर लिया गया है। उसी से मिले इनपुट के आधार पर राजस्थान के झालावाड़ में कार्रवाई की गई है।

भोपाल में जोन स्तरीय बाल संत समागम संपन्न

तंग दायरों की तोड़ दीवार - असीम की ओर हो विस्तार

भोपाल ■ निसं

सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के पावन आशीर्वाद से? निरंकारी मिशन के भोपाल जोन 24 ए, में तंग दायरों की तोड़ दीवार - असीम की ओर हो विस्तार शीर्षक पर आधारित जोन स्तरीय बाल संत समागम गुडग़ांव से पधारे आदरणीय महात्मा श्री नवीन कुमार भाषी जी की हुजूरी में शनिवार को संत निरंकारी सत्संग भवन,डी मार्ट के पास, जहांगीराबाद,भोपाल में संपन्न हुआ।

इस दौरान उन्होंने ने कहा कि बच्चों के जीवन में आध्यात्मिक

चेतना का महत्वपूर्ण स्थान है । जिस प्रकार से एक नन्हे से पौधे के चारों ओर सुरक्षा घेरा बनाकर उसे सुरक्षित रखा जाता है, जिससे उस पौधे को कोई नुकसान न पहुंचा सके । समय बीतने के साथ वह पौधा जब पेड़ का रूप धारण कर लेता है तो उसी पेड़ से मीठे मीठे फलों के साथ ठंडी छांव भी ली जा सकती है । ठीक उसी प्रकार अगर बच्चों को बचपन से ही आध्यात्मिक चेतना की देख-रेख में रखा जाये तो वही बच्चा आगे चलकर एक गुरसिख के रूप में निखरकर सामने आता है और उसके जीवन पर दुनिया में व्याप्त माया, मानसिक कुरीतियों, बुराइयों का कोई असर नहीं पड़ता है।

संत समागम में निरंकारी संत ने कहा कि यह बच्चे देश का और निरंकारी मिशन का भविष्य है । यह बच्चे अभी से जिस प्रकार भक्ति में डूबे हुए हैं इससे यह प्रतीत होता है कि निरंकारी मिशन जवानों, बुजुर्गों सहित बच्चों को भी अच्छी शिक्षा दे रहा है। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आशीर्वाद से जोन की सभी ब्रांचों में इस तरह के आयोजन निरंतर किए जा रहे हैं, जिससे बच्चों में भक्ति के प्रति जागरुकता बढ़ रही है और इसी भक्ति के मार्ग पर चलते हुए यह बच्चे बड़े होकर माता-पिता, निरंकारी मिशन और देश का नाम रोशन करेंगे ।

बाल संत समागम में बच्चों द्वारा आकर्षक भक्तिमय प्रस्तुतियां दी गई । इस दौरान बड़ी संख्या में निरंकारी बाल संतों द्वारा नृत्य, नाटक और विभिन्न कलाओं का प्रदर्शन कर भक्तिमय वातावरण निर्मित किया गया । बाल संतो ने समागम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं को तंग दायरों की तोड़ दीवार - असीम की ओर हो विस्तार का संदेश देते हुए नृत्य, नाटक का भी अभिनय कर निरंकारी मिशन की गतिविधियों से अवगत कराया ।

एम्स भोपाल में विश्व रक्तदाता दिवस पर जागरूकता अभियान का आयोजन

भोपाल ■ निसं

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर एक विशेष जनजागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करना और नियमित एवं सुरक्षित रक्तदान के जीवनरक्षक महत्व के प्रति आमजन को जागरूक करना था। विश्व रक्तदाता दिवस प्रत्येक वर्ष 14 जून को उन नि:स्वार्थ रक्तदाताओं के सम्मान में मनाया जाता है, जो अनगिनत जिंदगियों को बचाने में योगदान देते हैं। कार्यक्रम के दौरान एम्स भोपाल के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह न केवल आपातकालीन स्थितियों और सर्जरी में उपयोगी है, बल्कि थैलेसीमिया, कैंसर और एनीमिया जैसे रोगों से पीड़ित मरीजों के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर जनसामान्य की भ्रांतियों को दूर करने तथा रक्तदान की आधुनिक और सुरक्षित प्रक्रियाओं की जानकारी देने के लिए संवादात्मक सत्र भी आयोजित किए गए।

इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, रक्तदान मानवता की सेवा का सबसे महान कार्य है।

अनमोल वचन

कोई भी उस व्यक्ति से प्रेम नहीं करता, जिससे वो डरता है।
अरस्तु

ज्ञान दवा और हिम्मत तीनऐसे नैतिक गुण है, जो पुरे विश्व में मान्य है।
कवयुशिय्स

लगातार आ रहा है निवेश, मोहन के नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ता मप्र

हर्षवर्धन पान्डे

देश का हृदयस्थल कहा जाने वाला मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में निवेश और विकास के क्षेत्र में नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है। बीते डेढ़ बरस के छोटे से समय में उनकी दूरदर्शी नीतियों, स्पष्ट प्रशासनिक दृष्टिकोण और निवेशक-अनुकूल रणनीतियों ने प्रदेश को औद्योगिक और आर्थिक प्रगति के पथ पर अग्रसर किया है। डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में निवेश की गति धुआंधार रही है और विकास तेजी से हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को निवेश के लिए आदर्श गंतव्य बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट इसका जीता जागता उदाहरण रहा जहाँ मोहन का मैजिक इस कदर चला कि इस समिट में 30 लाख 77 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जो प्रदेश के आर्थिक विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इससे पहले भी एमपी में निवेशक सम्मेलन आयोजित होते रहे लेकिन बड़े निवेश के प्रस्ताव राज्य को नहीं मिल पाए। डॉ. मोहन यादव की मजबूत इच्छा शक्ति का परिणाम है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से उन्होनें देश और दुनिया में एमपी की पताका फहरा दी। इन निवेश प्रस्तावों से लगभग 21 लाख रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है,जो एक रिकार्ड है। इस समिट में विभिन्न क्षेत्रों जैसे एविएशन, आईटी, कृषि और शहरी विकास में निवेश के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। मोहन के नेतृत्व में मध्यप्रदेश अब केवल स्थानीय स्तर पर ही नहीं, बल्कि वैश्विक निवेशकों के लिए भी एक आकर्षक गंतव्य बन रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवेश को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य प्रदेश के हर कोने में औद्योगिक विकास को गति देना है। उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर, रीवा, सागर , नर्मदापुरम जैसे शहरों में आयोजित इन कॉन्क्लेव्स ने स्थानीय स्तर पर निवेशकों को आकर्षित किया है। ये कॉन्क्लेव न केवल राज्य में व्यापक निवेश को प्रोत्साहित कर रहे हैं, बल्कि इससे स्थानीय उद्यमियों और छोटे-मध्यम उद्योगों को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने एमएसएमई सेक्टर के लिए 5000 करोड़ रुपये के अनुदान की घोषणा की है, जिससे छोटे निवेशकों की बांछे खिल गई हैं। मोहन सरकार ने अपने कार्यकाल में औद्योगिक विकास के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार कर लिया है जिसमें औद्योगिक पार्कों को बढ़ावा देने के साथ स्मार्ट औद्योगिक टाउनशिप विकसित करने पर जोर दिया गया है। इस पहल से रोजगार के नए अवसर न केवल मिलेंगे बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को न केवल औद्योगिक, बल्कि आध्यात्मिक और वेलनेस हब के रूप में भी स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। पिछले दिनों उज्जैन में आयोजित स्पिरिचुअल एंड वेलनेस समिट 2025 में 1950 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इस समिट ने मध्यप्रदेश को भारत के वेलनेस मिशन का नेतृत्व करने वाला राज्य बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम उठाया। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में मेडिसिटी की स्थापना और नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के साथ समझौता इस दिशा में उनकी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उत्तराखंड के ऋषिकेश स्थित परमार्थ निकेतन जैसे आध्यात्मिक संगठनों ने भी उज्जैन में केंद्र स्थापित करने के लिए पत्र सौंपा है जो प्रदेश की सांस्कृतिक

और आध्यात्मिक विरासत को और समृद्ध करेगा।

मध्यप्रदेश शहरी विकास के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत सात स्मार्ट सिटी, 80% पाइप जलापूर्ति और 6000 किलोमीटर शहरी सड़कों का विकास इसकी गवाही देता है। शहरी विकास में 88 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं जिनमें 50 हजार करोड़ रुपये से 10 लाख नए आवासों की योजना शामिल है। ये प्रयास मध्यप्रदेश को निवेशकों और डेवलपर्स के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाते हैं।मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण बनाने पर पहले से ही विशेष जोर दिया है। आज मध्यप्रदेश में सरप्लस बिजली, उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा और कुशल मानव संसाधन उपलब्ध हैं। अब प्रदेश में उद्योग-अनुकूल नीतियां निवेशकों को इन दिनों खूब लुभा रही हैं। इसके अतिरिक्त 100 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों के लिए कस्टमाइज्ड नीतियां , सिंगल विंडो सिस्टम को प्रोत्साहन और विभिन्न विभागों की तरफ से विशेष सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है, जो निवेशकों के लिए अतिरिक्त बूस्टर डोज का काम कर रहा है। नीति आयोग ने भी मध्यप्रदेश को तेजी से प्रगति करने वाले राज्यों में अग्रणी माना है जो मुख्यमंत्री डॉ. यादव के दूरदर्शी नेतृत्व की व्यापक प्रभावशीलता को दिखा रहा है।

मध्यप्रदेश अब नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी नई ऊंचाइयों को छूने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना प्रदेश सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है जो केंद्र सरकार की पीएम कुसुम योजना के तहत संचालित की जा रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के कृषि फीडरों को सौर ऊर्जा से जोड़ना है ताकि किसानों को दिन के समय सस्ती और स्थायी बिजली उपलब्ध हो सके। यह योजना न केवल किसानों को सिंचाई के लिए निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करती है बल्कि उन्हें सौर ऊर्जा के उत्पादक के रूप में भी सशक्त बनाती है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बनने की ओर अग्रसर है जो अपने सभी कृषि फीडरों को सौर ऊर्जा से जोड़ेगा। आज प्रदेश की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता 15 गुना बढ़ चुकी है जिसमें सौर ऊर्जा में 48 प्रतिशत और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अब तक प्रदेश में 80 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाएं स्थापित हो चुकी हैं जिनसे 16,000 से अधिक कृषि पंप सौर ऊर्जा से संचालित हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त 240 मेगावाट की परियोजनाएं स्थापना के चरण में हैं और 200 मेगावाट की परियोजनाएं प्रक्रियाधीन हैं। कुल मिलाकर, 520 मेगावाट की परियोजनाओं से 1 लाख से अधिक पंपों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जाएगा।

10 जून 2025 को भोपाल में आयोजित पहली सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना समिट का उद्घाटन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। इस समिट में देश और प्रदेश के 350 से अधिक निवेशकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जो प्रदेश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। समिट में सौर ऊर्जा क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को प्रदर्शित किया जिसमें छोटे और बड़े दोनों प्रकार के निवेशकों ने उत्साह दिखाया। सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना ने मध्यप्रदेश में निवेश और रोजगार की दिशा में एक नया द्वार खोला है। समिट में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की संभावना व्यक्त की गई जो न केवल सौर ऊर्जा क्षेत्र में बल्कि आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का विजन मध्यप्रदेश को 2047 तक भारत की अर्थव्यवस्था में 6% योगदान देने वाला राज्य बनाना है। भारतीय उद्योग परिसंघ की रिपोर्ट के अनुसार मध्यप्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 2047-48 तक 2.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है। डॉ. यादव का कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व मध्यप्रदेश को न केवल औद्योगिक और शहरी विकास में बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में भी एक वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में अग्रसर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कहना है कि सोलर एनर्जी से किसानों की जीवन-शैली भी बदलेगी। सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाते हुए बिजली के बिल से मुक्ति दिलाएगी। आगामी तीन वर्ष में 32 लाख सोलर पंप कनेक्शन लगाए जाएंगे। वर्ष 2025 तक प्रदेश के सभी शासकीय भवनों पर सोलर रूफटॉप लगाए जाएंगे।

डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में एमपी तेजी से निवेश और विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और क्षेत्रीय कॉन्क्लेव्स के माध्यम से अब तक 75 हजार से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, ड्रोन संवर्धन एवं उपयोग नीति 2025 , सूर्य मित्र कृषि फीडर समिट, स्पिरिचुअल एंड वेलनेस समिट सरीखी पहल ने मध्यप्रदेश को निवेशकों के लिए न केवल एक आदर्श डेस्टिनेशन बनाया है बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत बनाने की दिशा में यह एक सधा हुआ कदम है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक हैं)

सम्पादकीय

विश्व युद्ध की आशंका से सहमी दुनिया

इसराइल ने ईरान पर बड़ा हमला किया है, जिसमें करीब 78 ईरानी नागरिक मारे गए जबकि 350 से अधिक लोग घायल हो गए। ईरान के संभावित परमाणु ठिकानों पर इसराइल के हमले के बाद सारी दुनिया सहम गई है। दुनिया भर के शेयर बाजारों में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली है। कच्चे तेल के दाम में भारी तेजी देखने को मिली, सोने और चांदी का कारोबार भी तेजी के साथ हुआ। दुनिया भर के बाजारों में हड़कंप मच गया। सबसे ज्यादा तेजी क्रूड ऑयल के दामों में देखने को मिली। इसके साथ ही ईरान के साथ युद्ध शुरू होने की दशा में दुनिया के देशों में 40 फ़ीसदी से ज्यादा जो कच्चे तेल की आपूर्ति होती है, इसके अलावा आयात ?र निर्यात के लिए जिन मार्गों का उपयोग होता है, निश्चित रूप से उसमें व्यवधान उत्पन्न होगा। इसका असर दुनिया के देशों में पड़ना तय माना जा रहा है। इस कारण वैश्विक स्तर पर अफरा- तफरी का माहौल बन गया है। इसराइल के द्वारा किए गए हमले के जवाब में ईरान ने 150 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिसमें इसराइल के 2 लोगों की मौत जबकि 90 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। इसी के साथ ईरान ने अपने यहां लाल झंडा फहरा दिया है, जो युद्ध का संकेत है। वैश्विक स्तर पर जो नई स्थितियां देखने को मिल रही हैं, उसके अनुसार अमेरिका का खुला समर्थन इजरायल के साथ है। खाड़ी के कई देश अमेरिका के साथ खड़े हुए हैं। ऐसी स्थिति में ईरान के समर्थन में चीन-रूस और उत्तर कोरिया आगे आते हुए दिख रहे हैं। वैश्विक स्तर पर जो नया समीकरण बन रहा है, उसमें अमेरिका के सामने रूस और चीन डटकर खड़े हो गए हैं। उनका समर्थन ईरान के साथ देखने को मिल रहा है। इस स्थिति में यदि युद्ध होता है तो यह युद्ध बहुत विनाशकारी होगा। इसे अभी से तीसरे विश्व युद्ध की आशंका के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका की यह चेतावनी कि ईरान न्यूक्लियर डील अमेरिका के साथ करे या तबाही के लिए तैयार हो जाए। एक तरह से अमेरिका ने ही इसराइल को हमले के लिए शह दी है। 75 साल बाद परमाणु ठिकानों पर हमला किया गया है। इसके बाद सारी दुनिया के देश दो हिस्सों में बंटने के लिए मजबूर हो जाएंगे। इसराइल और ईरान के बीच में युद्ध शुरू होने पर अमेरिका के नेतृत्व में दुनिया के कई देश एकजुट होंगे, वहीं चीन और रूस के नेतृत्व में ईरान के समर्थन में कई देश सामने आएंगे। ऐसी स्थिति में तृतीय विश्व युद्ध की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है, जो बड़े विनाशकारी परिणाम सामने ला सकता है। इसराइल ने परमाणु स्थलों पर हमला करके अब ईरान, चीन और रूस जैसे देशों को जवाबी हमले के लिए मौका दे दिया है। युद्ध बढ़ने की दशा में चीन और रूस भी ईरान के समर्थन में परमाणु हथियारों का उपयोग कर सकेंगे। अब इसे रोक पाना संभव नहीं होगा। इसराइल और अमेरिका ने जो गलती की है उसको लेकर भारी तबाही की संभावना दिखने लगी है। ईरान ने जिस तरह से जवाबी हमले शुरू किए हैं उससे इतना स्पष्ट हो गया है कि वह अमेरिका से दबने वाला नहीं है। ईरान की मदद के लिए जिस तरह से चीन और रूस ने मदद की पेशकश की है उसके कारण तृतीय विश्व युद्ध की आशंका सभी के मन में उत्पन्न होने लगी है। अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से तुगलगी फैसला ले रहे हैं, वह सारी दुनिया के देशों को धमकाने में लगे हुए हैं। इसराइल और गाजा के बीच में चल रहे युद्ध को रोकने के लिए वैश्विक संस्थाओं द्वारा जो प्रयास किए गए वह सारे विफल साबित हुए। इसराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु वैश्विक संस्थाओं की किसी बात को नहीं मान रहे। गाजा में जिस तरह से इसराइल ने नरसंहार किया है, उसकी सारी दुनिया में निंदा हो रही है। यह भी कहा जा रहा है, कि इसराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु इन दिनों अपनी सत्ता को बचाए रखना चाहते हैं, जिसके कारण उन्होंने जानबूझकर ईरान के ऊपर हमला किया है। इसराइल में आपातकाल की घोषणा की गई है ताकि वह अपनी कुर्सी को बचाए रख सकें। बहरहाल जिस तरह की स्थिति बनने लगी है उसको देखते हुए वैश्विक मंदी, महंगाई, बेरोजगारी और युद्ध के कारण खाने-पीने और दैनिक उपयोग में आने वाले सामानों को लेकर भी दुनिया के देशों में चिंता देखने को मिलने लगी है। आगे क्या होगा यह कुछ कहा नहीं जा सकता है, लेकिन एक अभाव जो स्पष्ट रूप से दिख रहा है, संयुक्त राष्ट्र संघ, सुरक्षा परिषद, रेड-क्रॉस जैसी संस्थाएं वह भूमिका अदा नहीं कर पा रही हैं जो कुछ दशक पहले तक करती थीं।

चिंतन-मनन

ब्रह्म मुहूर्त में क्यों जागे

साढ़े तीन बजे का महत्व सिर्फ 33 डिग्री अक्षांश तक के लिए ही होता है। 3.40 पर सूर्य उस जगह पहुंच जाता है, जहां उसका सीधा संबंध पृथ्वी से हो जाता है। इस समय उसकी किरणें ठीक आपके सिर के ऊपर होती हैं। जब सूर्य की किरणें धरती के दोनों तरफ एक ही जगह पड़ती हैं, तो इंसान का सिस्टम एक खास तरीके से काम करने लगता है और तब एक संभावना बनती है। इस संभावना के इस्तेमाल करने को लेकर लोगों में जागरूकता रही है। अगर आपके सिस्टम में एक जीवंत बीज पड़ चुका है और अगर आप ब्रह्म मुहूर्त में जागकर कोई भी अभ्यास करने बैठते हैं तो यह बीज आपको सबसे ज्यादा फल देगा। वैसे तो सूर्य हमेशा आपके सिर के ऊपर ही होता है, लेकिन जब मैं कहता हूं कि सूर्य ठीक आपके सिर पर है तो इसका मतलब है उस समय वह आपके सिर पर लंबवत है। उस समय यह एक विशेष तरीके से काम करता है। यह समय होता है 3.4? से लेकर अगले 12 से 20 मिनट तक। अब सवाल आता है कि इस समय में हम क्या करें? इस समय में हम ध्यान करें या क्रिया करें? इससे कोई फर्प नहीं पड़ता कि आप क्या करें। इस समय में आपको वही करना चाहिए, जिसमें आपको दीक्षित किया गया है। दरअसल, दीक्षा का मतलब यह नहीं है कि आपको कोई क्रिया सिखाई गई है, इसका मतलब है कि इस क्रिया से आपके सिस्टम को परिचित करा कर आपके सिस्टम में इसे बाकायदा स्थापित किया गया है। अगर आपके सिस्टम में एक जीवंत बीज पड़ चुका है और अगर आप ब्रह्म मुहूर्त में जागकर कोई भी अभ्यास करने बैठते हैं तो यह बीज आपको सबसे ज्यादा फल देगा। उसकी वजह है कि इस समय धरती आपके सिस्टम के अनुसार काम करती है। अगर आप खास तरीके से जागरूक हो जाते हैं, आपके भीतर एक खास स्तर की जागरूकता आ जाती है तो आपको इस समय का सहज रूप से अहसास हो जाता है। अगर आप सही वक्ति पर सोने चले जाते हैं तो आपको उठने के लिए घड़ी देखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आपको हमेशा पता चल जाएगा कि कब 3.40 का वक्ति हो गया है, क्योंकि यह वक्ति होते ही आपका शरीर एक अलग तरीके से व्यवहार करने लगेगा। आप जिस भी क्रिया में दीक्षित हुए हैं, अगर इस समय वह करना शुरू कर देंगे, तो आपको इसका सर्वश्रेष्ठ फल मिलेगा। हां, यह समय किताब पढ़ कर सीखी हुई क्रिया करने का नहीं है। आपके भीतर पड़ा वह बीज इस समय विशेष सहयोग मिलने से अपुंरित होने लगेगा या दूसरे समय की अपेक्षा ज्यादा तेजी से फूटेगा। यह समय सिर्फ दीक्षित हुए लोगों के लिए ही अनुकूल है। अगर आप दीक्षित नहीं है तो फिर 3.40 हो या 6.40 या फिर 7.4- कोई खास फर्प नहीं पड़ता है। ऐसे लोगों के लिए संध्या काल ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। यह एक तरह का संधि काल होता है जब मैं कहता हूं कि सूर्य ठीक आपके सिर पर है तो इसका मतलब है उस समय वह आपके सिर पर लंबवत है। उस समय यह एक विशेष तरीके से काम करता है। यह समय होता है 3.40 से लेकर अगले 12 से 20 निट तक। संध्या का मतलब है संप्रमण या एक स्थिति से दूसरी में जाना। सूर्योदय से बीस मिनट पहले व बीस मिनट बाद या सूर्यास्त से बीस मिनट पहले व बीस मिनट बाद का समय संध्या कहलाता है। ऐसा ही वक्ति दोपहर बारह बजे और आधी रात को आता है।

विवाह जैसे पवित्र और विश्वास भरे रिश्ते अब खून से सने

भरोसा नहीं होता कि विवाह जैसे पवित्र और विश्वास भरे रिश्ते का गला इतनी निर्ममता से घोंटा जा सकता है। इस जघन्य हत्याकांड और क्या हुआ कैसे हुआ पर इतना परोसा जा रहा है कि कुछ कहने की जरूरत नहीं है। रोज नए खुलासे हो रहे हैं। ढूंढ ढूंढ कर हत्याकांड से प्रभावित परिवारों के संबंधियों के इंटरव्यू हो रहे हैं। मृतक राजा रघुवंशी परिवार के पुरोहित की गणना कह रही है कि षडयंत्र में और भी लोग शामिल हैं। कोई उनसे यह नहीं पूछ रहा कि गणना की यह प्रतिभा जब कहां गई थी ।

चैतन्य भट्ट

इंदौर निवासी व्यवसायी राजा रघुवंशी के पूर्वोत्तर राज्य मेघालय में हुए नृशंस हत्याकांड ने देश के जनमानस को झकझोर कर रख दिया है। हत्या की प्रमुख आरोपी राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम बताई जा रही है जिसने अपने तथाकथित प्रेमी राज कुशवाहा और उसके तीन दोस्तों के साथ मिलकर इस हत्या को अंज़ाम दिया। समूचे घटनाक्रम की परतें एक एक कर खुल रही हैं मगर जो भी अब तक सामने आया है, अविश्वसनीय है। भरोसा नहीं होता कि विवाह जैसे पवित्र और विश्वास भरे रिश्ते का गला इतनी निर्ममता से घोंटा जा सकता है। इस जघन्य हत्याकांड और क्या हुआ कैसे हुआ पर इतना परोसा जा रहा है कि कुछ कहने की जरूरत नहीं है। रोज नए खुलासे हो रहे हैं। ढूंढ ढूंढ कर हत्याकांड से प्रभावित परिवारों के संबंधियों के इंटरव्यू हो रहे हैं। मृतक राजा रघुवंशी परिवार के पुरोहित की गणना कह रही है कि षडयंत्र में और भी लोग शामिल हैं। कोई उनसे यह नहीं पूछ रहा कि गणना की यह प्रतिभा जब कहां गई थी जब वे विवाह का मुहूर्त निकाल रहे थे ? टीआरपी, व्यूज और लाइक्स की ललक जो न कराए सो कम है। यह सब क्यों हुआ के मर्म में जाने की जरूरत किसी को महसूस नहीं हो रही। जबकि यही वह मर्म है जिस पर ध्यान देकर ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सकती है।

ख़बरें हैं कि सोनम पहले से ही राज कुशवाहा के साथ रिलेशनशिप में थी। उसने अपने परिवारजनों को इसके बारे में बताया भी था। मगर परिवारजनों ने इस संबंध का विरोध किया। सोनम और राज में आयु और जाति का फर्क तो था ही, जितेन्द्र की सामाजिक और आर्थिक हैसियत भी सोनम के परिवार के आगे कहीं नहीं टिकती थी। वह उनके पारिवारिक व्यवसाय में कर्मचारी की हैसियत से ही तो शामिल था। समाज क्या कहेगा ? का प्रश्न थोथा भले कितना भी हो, अभी भी शास्वत है। सोनम के परिवार ने इसे प्राथमिकता दी और जल्द से जल्द उसके समाज में ही विवाह की कोशिशों में जुट गए। कहा जाता है कि सोनम ने विरोध किया, यहां तक कहा कि अंजाम अच्छा नहीं होगा। मगर कोई सुनने तैयार नहीं हुआ। आनन फानम शादी तय हुई और सोनम ब्याह कर राजा रघुवंशी के परिवार में शामिल हो गई। बेटी की इच्छा के सम्मान के बजाय थोथे सामाजिक सम्मान को प्राथमिकता देकर सोनम के मातृ पक्ष ने तात्कालिक हल तो ढूंढ लिया मगर आज की परिस्थितियां देखकर उन्हें यकीनन पछतावा हो रहा होगा। सौदा महंगा पड़ा। दबाव में बना रिश्ता यूं भी ज्यादा नहीं टिकता। जिस सामाजिक प्रतिष्ठा की खातिर उन्होंने यह कदम उठाया था उससे लाख गुनी बदनामी अब झेलनी पड़ रही है। और दाग ऐसा है कि ताउम्र नहीं धुलेगा।

बेटियों को समान अधिकार का सरकारी नारा अपेक्षित सामाजिक बदलाव के बिना नारा ही बना रहने वाला है। उन्हें आर्थिक और सांस्कारिक समेत अन्य सभी पहलुओं पर आत्मनिर्भर बनाना आज की जरूरत है जिसके लिए उन्हें अच्छी परवरिश, शिक्षा दिया जाना चाहिए। उनमें निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना चाहिए। मगर सर्वाधिक महत्वपूर्ण है कि उनके निर्णय का सम्मान भी किया जाना चाहिए। अगर कोई निर्णय गलत लग रहा है तो सही राह दिखाना परिवार का दायित्व है। मगर थोथी सामाजिक प्रतिष्ठा के दबाव में उन्हें अपना निर्णय बदलने के लिए मजबूर करना पंछी को उड़ना सिखाकर उसे पिंजरे में बंद रहने पर मजबूर करने जैसा है। समाज के कई वर्गों ने इस बदलाव को स्वीकार किया है मगर कुछ अभी भी वही पुरानी लीक पीटने पर उतारू हैं। इस जघन्य हत्याकांड ने प्रमाणित कर दिया है कि परिणाम कितने भयावह हो सकते हैं। बढ़ते अपराधों के लिए अध्यात्मवादी भौतिकता को दोष देते हैं। कम्युनिज्म पूंजीवाद पर दोष मढ़ता है। राजनीति में एक पार्टी दूसरी को दोषी मानती है। समाज तेजी से बदल रहा है, और समलैंगिकता, लिव-इन रिलेशन, गर्भपात अब कानूनन अपराध नहीं रहे। सिर्फ कानून के सहारे अपराध को खत्म करना संभव नहीं है, इसके लिए व्यापक सामाजिक विमर्श जरूरी है। बदलते समय और दिन प्रतिदिन उदार होतीं सामाजिक मान्यताओं के साथ परिवारों की आपसी समझ भी बदलना जरूरी है। अगर सोनम के माता-पिता ने उसकी प्रेम और विवाह संबंधी प्राथमिकताओं को मान लिया होता तो यह सब नहीं घटता और निरपराध राजा रघुवंशी की जान बच जाती। थोथी सामाजिक मान्यताओं के दबाव के चलते उन्होंने बेटी पर दबाव बनाया। जो हुआ वह उससे कई गुना भयावह साबित हुआ जिसका दंश रघुवंशी समेत अपराध में शामिल अन्य लोगों के परिवार ताउम्र महसूस करेंगे। मेघालय पूर्वोत्तर भारत का बेहद खूबसूरत और शांत राज्य है।

पिता की अनुपम छाया

डॉ. रीना रवि मालपानी

माँ की ममता और पिता की कठोरता जीवन के दो महत्वपूर्ण नियामक है। प्रारम्भ में हमें पिता के वक्तव्य बड़े साधारण प्रतीत होते है, परन्तु समयोपरांत उन वक्तव्यों में छिपी गहराई की थाह ज्ञात होती है। माता की छत्रछाया और गर्भ में बालक सुरक्षित होता है, परन्तु जो अदृश्य सुरक्षा कवच उसके दिन-रात की सुरक्षित रुपरेखा निर्धारित करता है वह है पिता। माँ की चिंताएँ दृश्यरूप में प्रतिपल अनुभव होती है, परन्तु पिता के मन की कशमकश को पिता स्वयं ही समझ सकता है। जिस प्रकार सागर की गहराई और लहरों की तीव्रता की थाह पाना मुश्किल है, उसी प्रकार पिता के मर्म को समझना भी बहुत मुश्किल है। माता के संरक्षण एवं छाँव के पीछे पिता का सुरक्षा कवच ही महत्वपूर्ण होता है। पिता की कठोरता तो नारियल के समतुल्य ही है, अंदर कोमल स्वभाव और बालक के उज्जवल भविष्य के लिए बाहर कटुता के वचन। वह पिता ही तो है जो बचपन से ही बालक को गोदी में उठाकर और कंधे पर बैठाकर ऊंचाइयों की ओर अग्रसर होना सिखाता है। वह अपने शीर्ष पर बैठाकर उसे सफलता और उन्नत आकाश की दिशा प्रदान करता है। जिद के लिए डाँटना और जिद को पूरी करना यह निश्छल स्वाभाव तो पिता का ही हो सकता है। छोटी-छोटी खुशियों को सँजोने में पिता का दिन-रात का चक्र कब व्यतीत होता है कुछ ज्ञात नहीं होता। आर्थिक सामंजस्य, घर-परिवार का भरण-पोषण, मान-प्रतिष्ठा और छोटी से छोटी जरुरत का ध्यान इतनी सहजता एवं सरलता से पिता ही कर सकता है। वह अपने मन के अंदर की उथल-पुथल परिवारजन को महसूस नहीं होने देता। पिता के कारण ही तो माँ को हिम्मत प्राप्त होती है बालक को अपर स्नेह प्रदान करने की। बालक हौसलों की उड़ान तो पिता के कंधों पर ही तय करता है। दो अक्षर से बना है पिता शब्द, पर उसका होना बढ़ाता जीवन में सफलता का कद। पिता का कर्त्तव्य निभाना नहीं है आसान, प्रतिपल बाहरी और भीतरी परिस्थितियों से करना होता है घमासान। हमारे ज्योतिष में सूर्य को पिता का कारक ग्रह कहा गया है क्योंकि जहाँ सूर्य विद्यमान होता है वह स्थान प्रकाश से देदीप्यमान हो जाता है और जब अस्त होता है तो अंधकार व्याप्त हो जाता है। परिवार में भी पिता उजाले का प्रसार करता है, इस उजाले में साहस, अनुभव, ज्ञान एवं कठोर समझाइश निहित होती है जो जीवन के अंधकार का विनाश कर देता है और हमें अपने पिता से ओज, तेज और साहस प्राप्त होता है।सफलता का चरम हमें प्राप्त होता है, पर त्याग एवं परिश्रम की सीढ़ी सदैव वे चढ़ते है। समय व्यतीत होने पर ज्ञात होता है कि स्वयं की कमाई पर जिद करने का आनंद कुछ नहीं होता। पिता के सम्मुख वो जिद और उसके पूर्ण होने का आनंद अत्यंत न्यारा होता है। पिता का व्यक्तित्व शब्दों से परे है। वह भूमिका अन्यंत्र कोई रिश्ता नहीं निभा सकता। पिता की सच्चाई, गहराई और जीवन के प्रति उनकी गूढ़ समझ अकथनीय है। पिता की सीख सदैव एक कड़वी सच्चाई प्रतीत होती है। जीवन की महकी सी बगियाँ में पिता के पसीने की बूँद निहित होती है। पिता के सरल वाक्य जीवन की नींव के निर्धारक होते है। उनके संघर्षों के कुछ सरल वाक्य इस प्रकार है- पढाई-लिखाई में मन लगाओं समय बार-बार नहीं मिलता, खुद के पैरो पर खड़ा होकर दिखाओं, खर्चा सोच-समझकर करों पैसे पेड़ों पर नहीं लगते, बचपना छोड़ों अब तो संभल जाओं, दोस्ती यारी सोच समझकर करों, मैं यह सबकुछ तुम्हारी भलाई के लिए बोल रहा हूँ, उनकी सीख में उनकी गलतियाँ और अनुभव दोनों ही समाविष्ट होते है। वे एक सच्चे पथ प्रदर्शक है। जो चाहते है कि बालक प्रतिकूल परिस्थितियों में ना उलझे। वह अनुकूलता के मार्ग पर निरंतर प्रशस्त हो। पिता की सुव्यवस्था परिवार को खुशहाल बनाती है। हर त्यौहार की सजावट और ख़ुशी उनके खून पसीने की कमाई होती है। समय और जिम्मेदारियों का बंधन वह पिता ही पूर्ण करता है। बाहरी वातावरण को समझना और आतंरिक वातावरण के अनुरूप परिस्थितियों से तालमेल बैठाना पिता के द्वारा ही संभव होता है।

खास बात

संवैधानिक संस्थाएँ सरकार भरोसे

भारत में इन दोनों संवैधानिक संस्थाओं की साख को लेकर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। न्यायपालिका भी सवालों के घेरे में है। न्यायपालिका की निष्पक्षता को लेकर चारों तरफ से हमले हो रहे हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग हो, केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई, लोकपाल सभी सवालों के घेरे पर है। सभी सरकार के इशारे और दबाव पर काम कर रहे हैं। पिछले एक दशक में भारत की संवैधानिक संस्थाएं जिस तरह से सरकार पर आश्रित हैं। सरकार चुन चुन कर अपने पसंदीदा व्यक्तियों की नियुक्ति कर रही है। न्यायपालिका में हाईकोर्ट के जज और सुप्रीम कोर्ट की जजों की नियुक्ति में भी सरकार ने जो पक्षपात किया है। एक ही विचारधारा से जुड़े हुए लोगों की नियुक्ति की गई है। इसका असर अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर भी पड़ा है। हर संवैधानिक संस्था सवालों के घेरे पर है। अब तो यह भी कहा जाने लगा है, हर साख में उल्लू बैठा है, अंजामे गुलदस्ता क्या होगा।

शराब घोटाले में कांग्रेस का दफ्तर अटैच

छत्तीसगढ़ के शराब घोटाले में ईडी ने सुकमा के कांग्रेस कार्यालय का भवन अटैच कर लिया है। ईडी के अधिकारियों का कहना है, शराब घोटाले के आरोपी मंत्री लखमा ने 68 लाख रुपए सुकमा के कांग्रेस भवन निर्माण के लिए दान किए थे। ईडी के अधिकारियों ने पूर्व मंत्री हरीश लखमा की 6 करोड़ 15 लाख की संपत्ति अटैच की है। इसके साथ ही कांग्रेस का दफ्तर भी अटैच कर लिया है। इस कार्रवाई के बाद अब लोग कहने लगे हैं। ईडी यदि इसी तरीके की कार्रवाई करती है, तो लखमा ने सैकड़ो जगह पैसे खर्च किए हैं। उन सभी के ऊपर भी कार्रवाई करनी चाहिए। जिन-जिन को लखमा ने पैसे दिए या खर्च किया है।

संविधान सर्वोच्च है, इसे मानता कौन है?

किवदंती है,कि ब्रह्मा-विष्णु और महेश के बीच में इस बात को लेकर विवाद हुआ। इनमें सबसे बड़ा कौन है। इस लड़ाई में भगवान के साथ भक्त भी कूद गए। बाद में यह फैसला हुआ। प्रकृति ने तीनों को अलग-अलग अधिकार दिए हैं। सभी अपने अधिकार में सर्वोच्च हैं। प्रकृति ने तीनों को अपनी-अपनी सीमा में जो अधिकार दिए हैं। उसको छोड़कर उनके पास अन्य कोई अधिकार नहीं है। प्रकृति का अंकुश तीनों के ऊपर है। कुछ इसी तरह की स्थिति भारत में बनी हुई है। सरकार का कहना है, संसद और सरकार सर्वोच्च है। न्यायपालिका का कहना है, संविधान सर्वोच्च है। कार्यपालिका कहती है, हमारे पास सारे क्रियान्वय के सारे अधिकार हैं। इसलिए कार्यपालिका सबसे बड़ी है। सरकार और न्यायपालिका को जो भी काम कराने होंगे। उसकी शक्ति कार्यपालिका के पास है। संविधान की तो कोई बात ही नहीं करता है।

इराक की तरह ईरान को बर्बाद करने की जंग शुरू

अमेरिका ने कई दशक पहले इराक के ऊपर आरोप लगाया था। उसने रासायनिक हथियार बनाए हैं। आरोप लगाकर उस समय इराक के राष्ट्रपति सदन सद्दाम हुसैन को खलनायक बनाया गया था। इराक पर चारों से हमला किया गया। चारों तरफ से झूठे आरोप के आधार पर इराक पर हमला करके उसे नेस्त नाबूत कर दिया। सद्दाम हुसैन को फांसी पर लटका दिया। उस समय भी अमेरिका के भय से इस्लामी राष्ट्र शांत थे। बाद में खोदा पहाड़ निकली चुहिया। अमेरिका का कुछ नहीं हुआ, इराक जरूर बर्बाद हो गया। अब यही कहानी परमाणु हथियारों को लेकर ईरान के साथ जंग शुरू कर दी गई है। अमेरिका के डर और भय से इस्लामी राष्ट्र शांत हैं। ईरान की मदद के लिए कोई राष्ट्र आगे नहीं आ रहा है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, आषाढ़ कृष्ण पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु उदय अस्त, पश्चिमे शुक्रोदय पूर्वे तिथी चौथ, रविवार श्रवण नक्षत्रे, ऐग योगे, वालव करणे, मकर की चंद्रमा, मिथने र वि 20/29 रोग विमुक्ता, स्नान मुर्हूत, अन्नप्रासन, औषधि सेवन हल प्रवाहन, वाहन क्रय विक्रय तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, जिद्दी, हठी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, नेता तथा पंडित, विद्वान, तथा मठ मंदिर बनाने वाला बड़ा साधू होगा।

मेष राशि- भाग्य का सितारा साथ देगा, इष्ट मित्र सहयोगी होंगे, रुके कार्य अवश्य ही बन जायेंगे।

वृष राशि- इष्ट मित्र सुख वर्धक हो, मनोबल बनाए रखे, उत्साह हीनता से हानि अवश्य ही होगी।

मिथुन राशि- इष्ट मित्रों से परेशानी, कष्ट व अशांति, दैनिक कार्यगति अनुकूल अवश्य ही बनेगी।

कर्क राशि- मान प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि, स्त्री वर्ग से हर्ष उल्लास, समृद्धि के साधन अवश्य जुटाए।

सिंह राशि- कार्यगति अनुकूल हो, सामाजिक में प्रभुत्व वृद्धि, एवं प्रतिष्ठा अवश्य ही बढ़ेगी ।

कन्या राशि-कुटुम्ब की परेशानी, चिन्ता व्यग्रता तथा उदविघ्नता से बचिए, कार्य अवरोध होगा।

तुला राशि- धन हानि, शरीर कष्ट मानसिक बेचैनी, व्यर्थ भ्रमण, धन का व्यय संभावित होगा।

वृश्चिक राशि- इष्ट मित्र सुखवर्धक हो, अधिकारियों का समर्थन फलप्रद अवश्य ही होगा।

धनु राशि- कार्य कुशलता से संतोष, दैनिक समृद्धि के साधन अवश्य ही बनेंगे, समय का ध्यान रखे।

मकर राशि- दैनिक कार्यगति में सुधार, योजना फलीभूत होगी, रुके कार्य अवश्य ही बनेंगे।

कुंभ राशि- विशेष कार्य स्थिगित रखे, दैनिक मानसिक विभ्रम, किन्तु उद्विघ्नता से बचिए।

मीन राशि- कार्य विफलता, सफलता मेहनत पर भी दिखाई न दें, कार्य अवराधे होगा।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

15 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.18 बजे से
चंद्र	मकर में	कर्क	07.32 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	09.48 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.00 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	14.10 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.25 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.41 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.46 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.33 बजे से
राहुकाल		मीन	00.06 बजे से
4.30 से 6.00		मेष	01.36 बजे से
बजे तक		वृष	03.16 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 166 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1947
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 15.52 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 01.00 बजे रात्र को समाप्त। **योग** इन्द्र 12.19 बजे को समाप्त। **करण** बालव 15.52 बजे तदनन्तर कौलव 03.45 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 18.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 19'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872376
जूलियन दिन 2460841.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज **तारीख** 18
विशेष मिथुन संक्रांति, पितृ दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09	बजे तक
चर	07.23 से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18	बजे तक	चर	08.41 से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46	बजे तक	रोग	10.14 से	11.46	बजे तक
काल	11.46 से	01.14	बजे तक	काल	11.46 से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51	बजे तक
रोग	02.41 से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

भारत में अवैध रूप से रह रही 3 बांग्लादेशी महिलाएं गिरफ्तार

पाटण। पाटण एसओजी शाखा ने भारत में अवैध रूप से प्रवेश कर यहां रह रही तीन बांग्लादेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक वी.के. नाई के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक जे.जी. सोलंकी की टीम द्वारा की गई। तीनों महिलाएं बिना वीजा या पासपोर्ट के भारत में रह रही थीं और मजदूरी के उद्देश्य से पाटण आई थीं। गिरफ्तार महिलाओं में तस्कुरा खातून (31), पोली बेगम (40) और सामसुन्नाहार (35) शामिल हैं। तस्कुरा खातून ने जनवरी 2024 में सुनाबेरी बॉर्डर के माध्यम से भारत में प्रवेश किया था। पोली बेगम पांच साल पहले बेनाफुल बॉर्डर से भारत आई थी और पहले वटवा (अहमदाबाद) में रह रही थी और वर्तमान में सूरत में रहती थी। सामसुन्नाहार 10 मार्च 2024 को बेनाफुल बॉर्डर से भारत में दाखिल हुई थी और गोटा क्षेत्र में निवास कर रही थी। इन सभी महिलाओं ने हावड़ा से अहमदाबाद पहुंचने के बाद रोजगार की तलाश में पाटण का रुख किया था। वर्तमान में पुलिस ने इनके खिलाफ फॉरेनर्स एक्ट, 1946 के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। यह कदम राज्य सरकार द्वारा अवैध विदेशी नागरिकों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत उठाया गया है।

किसान के बेटे को सेना में लेफ्टिनेंट, बनने पर गांव में हुआ ऐतिहासिक स्वागत

रुड़की। हरिद्वार जनपद के मंगलौर विधानसभा क्षेत्र के ठसका गांव के युवा तरुण सैनी ने भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए), देहरादून से पासआउट होकर सेना में लेफ्टिनेंट बनकर न सिर्फ अपने परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित कर दिया है। गांव में वर्दी में पहुंचे तरुण का वीर योद्धा की तरह स्वागत किया गया। शनिवार को आयोजित पासिंग आउट परेड में तरुण सैनी ने कदम से कदम मिलाकर राष्ट्र के प्रति समर्पण की शपथ ली। इसके बाद जैसे ही वे अपने गांव पहुंचे, दिल्ली रोड स्थित चौधरी चरण सिंह चौक से लेकर उनके निवास स्थान तक देशभक्ति नारों और फूलों की वर्षा के बीच स्वागत यात्रा निकाली गई। रास्ते भर गांव के बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे भारत माता की जय, वंदे मातरम् और जय जवान के नारों से माहौल गूंजा उठे। लेफ्टिनेंट तरुण सैनी के पिता वीरेंद्र सिंह सैनी व माता विनीता सैनी साधारण किसान परिवार से हैं। बेटे की यह ऐतिहासिक उपलब्धि उनके वर्षों के त्याग, अनुशासन और प्रेरणा की मिसाल है।

ट्रंप के बड़ेबोल, भारत-पाकिस्तान के बीच दुश्मनी खत्म कराऊंगा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से दुश्मनी है और वे दोनों देशों को एक साथ ले आएंगे। ट्रंप ने दावा किया कि वह किसी भी समस्या का समाधान कर सकते हैं।व्हाइट हाउस' में एक विधेयक पर हस्ताक्षर के लिए आयोजित समारोह में ट्रंप ने कहा, हम उन दोनों (भारत और पाकिस्तान) को एक साथ लाने जा रहे हैं। मैंने भारत और पाकिस्तान से कहा कि कश्मीर को लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से दुश्मनी है और मैं कुछ भी हल कर सकता हूं। भारत लगातार यह कहता रहा है कि कश्मीर एक द्विपक्षीय मुद्दा है और इसमें किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की कोई गुंजाइश नहीं है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों से पूछा कि यह दुश्मनी कब से चली आ रही है, तब उन्होंने कहा 2,000 साल से, जिस पर उन्होंने (ट्रंप ने) मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ओह, यह एक बड़ी समस्या है। उन्होंने कहा, मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोका, मैंने व्यापार के जरिये रोका। मुझे नहीं लगता कि मैंने इसके बारे में कभी कोई खबर लिखी हुई देखी है, लेकिन यह बहुत, बहुत बढ़िया था। वे तैयारी कर रहे थे।ट्रंप ने कहा कि हमला करने की बारी पाकिस्तान की थी और अंतत: वे परमाणु हथियारों का रुख करते।

सिंधु जल संधि पर चेतावनी देने के साथ प्रार्थना भी कर रहे पाकिस्तान के नेता

ब्रुसेल्स (बेल्जियम)। पाकिस्तान के चेहरे से आतंकवाद का नकाब नोचे जाने के बाद उसके नेता दुनियाभर में द्विअर्थी संवादों से जगहंसाई करवा रहे हैं। पहलगाम में आतंकी हमला करने के बाद भारत के सिंधु जल संधि पर वह गरम होने के साथ चिरौरी (प्रार्थना) भी करते नजर आते हैं। कुछ ऐसा ही ब्रुसेल्स में 13 जून को पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कर दिखाया। बिलावल ने देश के संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने कहा कि पर्यावरण संसाधनों, खासकर पानी को हथियार में बदलने से क्षेत्र में शांति के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं। बिलावल ने कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि के तहत पानी को रोकता है, तो पाकिस्तान के पास इसका कड़ा जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि जैसे समझौतों को कमजोर करने से क्षेत्रीय शांति को नुकसान पहुंच सकता है और दक्षिण एशिया संघर्ष की ओर बढ़ सकता है।

फलस्तीन मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन स्थगित

फ्रांस और सऊदी अरब को 17 से 20 जून तक न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की ओर से आयोजित किए जाने वाले उच्च-स्तरीय सम्मेलन आयोजित होना था, लेकिन इसे स्थगित कर दिया गया है। इजराइल और फलस्तीन के लिए द्वि-राष्ट्र समाधान पर अगले हफ्ते प्रस्तावित संयुक्त राष्ट्र के एक महत्वपूर्ण सम्मेलन को पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के मद्देनजर स्थगित कर दिया गया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। फ्रांस और सऊदी अरब को 17 से 20 जून तक न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की ओर से आयोजित किए जाने वाले उच्च-स्तरीय सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करनी थी।

प्रवर्तन निदेशालय की जांच में खुलासा: पाकिस्तानी नागरिक फर्जी वोटर आईडी रैकेट में मिला लिप्त

कोलकाता ■ एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोलकाता में गिरफ्तार पाकिस्तानी नागरिक आज़ाद मल्लिक के खिलाफ फर्जी भारतीय पासपोर्ट और हवाला रैकेट के साथ-साथ फर्जी वोटर आईडी घोटाले में भी सीधी संलिप्तता का नया खुलासा किया है। अप्रैल में गिरफ्तार किए गए मल्लिक की भूमिका अब फर्जी मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) बनवाने और उन्हें अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों तक पहुंचाने में भी उजागर हुई है।

ईडी के सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसी को कुछ ठोस सुराग मिले हैं जिनके आधार पर यह साफ हुआ है कि मल्लिक ने सीमावर्ती जिलों में खासतौर पर अवैध घुसपैठियों के लिए वोटर आईडी की व्यवस्था की। ईडी ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय से 78 ईपीआईसी धारकों का विवरण मांगा है, जिनमें से कम से कम 55 कार्डों की व्यवस्था मल्लिक ने की थी। ये कार्ड मुख्यतः उत्तर 24 परगना और नदिया जिलों के लोगों के लिए बनाए गए थे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित जिलों के जिला अधिकारियों से सूचीबद्ध व्यक्तियों की पहचान की पुष्टि करने को कहा है

और इस जांच रिपोर्ट को जून के अंत तक ईडी को सौंपा जाएगा। पूछताछ के दौरान आज़ाद ने कथित रूप से यह स्वीकार किया कि उसका नाम उत्तर 24 परगना जिले के दमदम-उत्तर विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज था और उसने वर्ष 2021 और 2024 के चुनावों में मतदान भी किया।

ईडी ने इस संबंध में निर्वाचन आयोग से दस्तावेज़ भी मांगे हैं जिनके आधार पर मल्लिक को वोटर आईडी जारी की गई थी। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब पश्चिम बंगाल में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले विदेशी नागरिकों द्वारा भारतीय पहचान दस्तावेज प्राप्त करने का मुद्दा राजनीतिक रूप से संवेदनशील बन चुका है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मुंबई में कार्यक्रम बोले

विकसित भारत के लिए नई शिक्षा नीति सहायक साबित होगी

पाँच अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों को आशय पत्र प्रदान किया

मुंबई ■ एजेंसी

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को मुंबई में कहा कि विकसित भारत के लिए नई शिक्षा नीति सहायक साबित होगी। मुंबई सपनों का शहर है और देश की आर्थिक राजधानी भी। ऐसे में यहाँ पाँच विदेशी विश्वविद्यालयों का आना शिक्षा हब के रूप में शहर की छवि को और मज़बूत करेगा। केंद्रीय मंत्री ने आज यहां इन पांच अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों को आशय पत्र प्रदान किया।

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि नई शिक्षा नीति से विदेशी विश्वविद्यालय भारत में आ सकेंगे और भारतीय संस्थाएँ विदेश में अपनी शाखाएँ खोल सकेंगी। आईआईटी, आईआईएम, आईएसएफ और सिम्बायोसिस जैसी संस्थाएँ विदेशों में भी फैल रही हैं। ऐसे निर्णय भारत को विकसित और शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। आज यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन (यूके), वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय (ऑस्ट्रेलिया), यॉर्क विश्वविद्यालय (यूके), इलिनॉय इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (अमेरिका) और इस्तितुतो यूरोपीओ दी डिज़ाइन इटली को आशय पत्र दिया गया है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों का पहला शैक्षणिक हब मुंबई और नवी मुंबई में स्थापित किया जा रहा है। अब भारतीय छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने की आवश्यकता नहीं रहेगी क्योंकि राज्य सरकार ने आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत पाँच विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ आशय पत्र प्रदान किए हैं।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, राज्य के उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल, केंद्रीय शिक्षा सचिव एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष विनीत जोशी, अपर मुख्य सचिव असीम कुमार गुप्ता, सिडको के प्रबंध निदेशक विजय सिंघल, ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरॉन, ऑस्ट्रेलिया के कॉन्सुल जनरल पॉल मर्फी, अमेरिका के कॉन्सुल जनरल माइक हैंकी, इटली के कॉन्सुल जनरल वॉल्टर फेरारा, यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन के प्रोफेसर सिलादित्य भट्टाचार्य, यॉर्क विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर चार्ली जेफ्री, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय के उपकुलपति गॉय लिटलफेयर, इलिनॉय इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के अध्यक्ष डॉ. राज ईचंबाडी, और आईईडी के डीन रिकार्डो बाल्बो उपस्थित थे।

सिवान में प्रधानमंत्री की सभा लिए भाजपा ने झोंकी ताकत, केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे पहुंचे सिवान

सिवान। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर शनिवार को केंद्रीय कोयला एवं खनन राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे सिवान पहुंचे। शहर के अतिथि गृह में उन्होंने पत्रकार वार्ता कर बताया कि 20 जून को प्रधानमंत्री सिवान आ रहे हैं। ऐसे में लोगों को सभा में आने के लिए निवेदन करने आया हूं। उन्होंने कहा क आप लोग निश्चित रूप से देश के प्रधानमंत्री की सभा में शामिल होकर उन्हें सुनें। राज्य मंत्री ने कहा कि 11 साल से प्रधान सेवक के रूप प्रधानमंत्री ने सभी वर्गों के लिए काम किया है। उनकी विकास कार्यों से कोई वंचित नहीं है।

खालिस्तानियों के विरोध के बाद भी आतंकियों पर लगाम लगाने कनाडा-भारत ने कर ली डील

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत और कनाडा के बीच हुए एक समझौते का खालिस्तानी जमकर विरोध कर रहे थे। आतंकियों पर लगाम कसने वाली यह डील फिर भी भारत और कनाडा के बीच कर ली गई। दोनों देशों ने आतंकवाद, अंतरराष्ट्रीय अपराध और उग्रवादी गतिविधियों से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी साझा करने के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता दोनों देशों के बीच लगभग दो साल पहले 2023 में शुरू हुए तनाव को कम करने और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। प्रस्तावित समझौते के तहत दोनों देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियां आतंकवाद, उग्रवाद, संगठित अपराध और ट्रांसनेशनल क्राइम सिंडिकेट्स के संबंध में खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान करेंगी। कनाडा के लिए यह पहल उन मामलों में भी महत्वपूर्ण है जहां कथित तौर पर एक्स्ट्रा ज्यूडिशियल किलिंग यानी न्यायेतर हत्या की जांच की जा रही है। यहां सबसे खास बात ये है कि कनाडा ने खालिस्तानियों के विरोध के बावजूद भारत के साथ इस तरह की बड़ी डील की है। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी सूत्रों ने बताया कि इस समझौते की डिटेल को अभी अंतिम रूप दिया जा रहा है, और यह स्पष्ट नहीं है कि इसे सार्वजनिक रूप से कब घोषित किया जाएगा। हालांकि, संभावना जताई जा रही है कि इसे जी-7 सम्मेलन के दौरान घोषित किया जा सकता है, जहां भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच मुलाकात होने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि नया तंत्र पहले से मौजूद व्यवस्थाओं की तुलना में अधिक व्यापक और उच्चस्तरीय होगा। प्रारंभिक चरण में इसमें पुलिस बलों के बीच बातचीत होगी, लेकिन बाद में इसमें अन्य एजेंसियों को भी शामिल किया जा सकता है। हाल के दिनों में दोनों देशों ने आपसी संबंध सुधारने के लिए छोटे-छोटे प्रयास किए हैं, जैसे प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कार्नी को चुनाव जीतने पर बधाई देना और दोनों नेताओं के बीच टेलीफोन पर संवाद। मोदी को जी-7 सम्मेलन में आमंत्रित करना भी इस बात का संकेत है कि प्रधानमंत्री कार्नी ट्रूडो के कार्यकाल में बिगड़े रिश्तों को सुधारने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।कार्नी ने कहा है कि उनकी प्राथमिकताओं में विदेशी हस्तक्षेप और ट्रांसनेशनल क्राइम से मुकाबला शामिल है। हालांकि, इस पहल को लेकर कनाडा के अंदर विरोध के स्वर भी उठे हैं। वर्ल्ड सिख ऑर्गेनाइजेशन ऑफ कनाडा और प्रधानमंत्री कार्नी की खुद की लिबरल पार्टी के कुछ सांसदों ने मोदी के जी-7 सम्मेलन में आमंत्रण का विरोध किया है। गुरुवार को हुए एयर इंडिया विमान हादसे में 242 में से केवल एक व्यक्ति बच पाया।

ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया भारतीय सशस्त्र बलों की असली ताकत - पूर्व वायुसेना प्रमुख अरूप राहा

कोलकाता ■ एजेंसी

पूर्व वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल (सेवानिवृत्त) अरूप राहा ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारतीय सशस्त्र बलों की वास्तविक संचालन क्षमता सामने आई है। उन्होंने इस सैन्य कार्रवाई को भारत की वर्षों की सामरिक प्रगति का प्रतीक बताया।

भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल द्वारा रक्षा क्षेत्र में एमएसएमई की भूमिका पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए राहा ने शनिवार को कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों के खिलाफ किए गए ऑपरेशन सिंदूर ने स्पष्ट कर दिया कि हमारी सेनाओं में अब कितनी क्षमता आ चुकी है।

राहा, जो वर्तमान में असम विश्वविद्यालय के कुलपति हैं, उन्होंने ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल की सफलता को गौरव का विषय बताया और याद दिलाया कि यह परियोजना कई साल पहले शुरू हुई थी। उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष

अनुसंधान संगठन (इसरो) की उपलब्धियों की भी सराहना करते हुए कहा, इसरो आज दुनिया की अग्रणी अंतरिक्ष एजेंसी बन चुकी है। चंद्रयान से लेकर सौर मिशनों तक, हमने लक्ष्य दर लक्ष्य हासिल किए हैं। इसरो के मार्गदर्शन में हमने शक्तिशाली रॉकेट प्रणालियों का विकास किया है और हमारे उपग्रह अब अन्य देशों द्वारा भी उपयोग में लाए जा रहे हैं, विशेष रूप से वे देश जो आर्थिक रूप से सक्षम नहीं हैं। उन्होंने बताया कि रक्षा अभियानों को मजबूती देने के लिए इसरो द्वारा उपग्रहों को कक्षा में स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि कमांड और कंट्रोल डेटा को उपग्रहों के माध्यम से प्राप्त किया जा रहा है, जिसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से विश्लेषित कर सीमा सुरक्षा और लक्ष्यों की पहचान में उपयोग किया जा रहा है।

पूर्व वायुसेना प्रमुख ने बताया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित मिसाइलें ध्वनि की गति से पांच से 10 गुना तेज गति से लक्ष्य तक पहुंचने में सक्षम हैं। हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए), एकीकृत कमांड कंट्रोल परियोजना और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, नैनो तकनीक, जहाज निर्माण, पनडुब्बी प्रणाली जैसी योजनाओं ने भारत को अग्रणी राष्ट्रों की कतार में ला खड़ा किया है। हालांकि राहा ने चिंता जताते हुए कहा कि भारत अब भी जेट इंजन निर्माण में पिछड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि हम अभी भी अमेरिका से इंजन खरीद रहे हैं, यह हमारी रणनीतिक स्वतंत्रता को प्रभावित कर रहा है और साथ ही इसमें भारी खर्च भी शामिल है।

शांति पुरुष का सपना देख रहे ट्रंप को इजरायल ने दिया झटका, पुतिन पहले ही दिखा चुके आईना

तेलअवीव ■ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में वैश्विक मंच पर शांति पुरुष बनने का सपना देख रहे थे। लेकिन उनके इस मिशन को उनके करीबी सहयोगी इजरायल और उससे पहले रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने तगड़ा झटका दिया है। इजरायल ने ट्रंप की सलाह को नजरअंदाज कर ईरान पर सैन्य हमला किया, जबकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्धविराम प्रस्ताव को ठुकराकर ट्रंप की कूटनीतिक कोशिशों को चुनौती दी।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से इजरायल से ईरान पर हमला न करने की अपील की थी। ट्रंप ने कहा था कि उनका लक्ष्य शांति स्थापित करना है। लेकिन इसी अपील के कुछ घंटों बाद, ट्रंप के करीबी दोस्त इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भीषण

हमले की घोषणा कर दी।यह हमला ट्रंप के उस उद्देश्य को एक और झटका है, जिसमें वह खुद को शांति पुरुष बता रहे थे। इससे पहले, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी ट्रंप की यूक्रेन में युद्धविराम की अपील को खारिज कर दिया था। इसके साथ ही, इजरायल ने गाजा पट्टी में भी एक और बड़ा सैन्य अभियान जारी रखा है। यहां भी ट्रंप प्रशासन की देखरेख में हुआ संघर्षविराम अब टूट चुका है।

ट्रंप के मित्र और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ यूक्रेन-रूस, इजरायल-गाजा और इजरायल-ईरान इन तीनों संकटों में मध्यस्थता कर रहे हैं। वह रविवार को ओमान में ईरानी अधिकारियों से मुलाकात करने वाले थे। ऐसे में इजरायल का हमला न केवल चौंकाने वाला प्रतीत हो रहा है, बल्कि अमेरिकी कूटनीति को भी कमजोर करता है।हालांकि ट्रंप ने बाद में खुद को इजरायल से पूरी तरह अलग नहीं किया। कुछ सूत्रों ने कहा कि अमेरिका के सार्वजनिक बयानों का उद्देश्य ईरान को चौंकाना था। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान ने उनकी शर्तें मानने से इनकार कर दिया और हमला 60-दिवसीय अल्टीमेटम के एक दिन बाद हुआ, हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया कि इसके बावजूद विटकॉफ की बातचीत क्यों तय थी।

पूर्व पेंटागन अधिकारी और वॉशिंगटन इंस्टीट्यूट की वरिष्ठ फेलो डैना स्ट्रौल ने कहा, हम स्पष्ट रूप से देख रहे हैं कि अमेरिका और इजरायल के दृष्टिकोण में अब एक मोड़ आ गया है।

मध्य पूर्व में बिगड़े हालात के लिए ईरान जिम्मेदार

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने छाती ठोककर कहा- हम इजराइल की रक्षा करेंगे

इस्तांबुल (तुर्किये)/पेरिस (फ्रांस) ■ एजेंसी

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने घोषणा की है कि ईरान के हमला करने पर उनका देश इजरायल की रक्षा करेगा। उन्होंने यह जरूर साफ किया कि फ्रांस आक्रामक अभियान में हिस्सा नहीं लेगा। मैक्रों ने ईरान पर इजराइली हवाई हमलों के बाद बढ़े तनाव के जवाब में राजनयिक मार्ग की वकालत की। इसके अलावा मैक्रों ने साजो-सामान और सुरक्षा कारणों से फिलिस्तीन पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन को स्थगित करने की पुष्टि की।

तुर्किये की सरकारी न्यूज एजेंसी अनादोलू की खबर में इस पर व्यापक चर्चा की गई है। अनादोलू के अनुसार,

राष्ट्रपति मैक्रों ने यह घोषणा शुक्रवार को की। मैक्रों ने कहा कि अगर ईरान जवाबी कार्रवाई में इजराइल पर हमला करता है, तो फ्रांस इजरायल की रक्षा और बचाव के लिए आगे आएगा। उन्होंने कहा कि बढ़े तनाव को खत्म करने के लिए कूटनीतिक मार्ग बेहतर विकल्प हो सकता है।

मैक्रों ने कहा, पूरे क्षेत्र में अस्थिरता के बड़े जोखिम का सामना करते हुए फ्रांस अब सभी पक्षों से आग्रह करता है कि वे तनाव को बढ़ने से रोकने के लिए सबसे अधिक संयम बरतें। ईरान के परमाणु कार्यक्रम का मुद्दा एक गंभीर मामला है। एक अस्तित्वगत मामला है। इसे अब बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि ईरान ने सीमित निम्न-स्तरीय यूरेनियम संवर्धन की अनुमति देने वाले अमेरिकी प्रस्ताव को गंभीरता से नहीं लिया।

उन्होंने कहा, मैं इसे अत्यंत स्पष्टता के साथ कहता हूं कि ईरान के परमाणु हथियारों की ओर बढ़ने का जोखिम क्षेत्र, यूरोप और व्यापक रूप से सामूहिक स्थिरता के लिए खतरा है। हम ऐसी दुनिया में नहीं रह सकते जहां ईरान के पास परमाणु बम हो, क्योंकि यह एक अस्तित्वगत खतरा है और हमारी सुरक्षा के लिए खतरा है। फ्रांस में शुक्रवार को आयोजित राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद की बैठक के बाद मैक्रोन ने यह भी घोषणा की, हमने अपने यहां सभी संभावित खतरों का सामना करने के लिए सेंटिनेल ऑपरेशन को मजबूत करने का फैसला किया है। नागरिकों, सैनिकों और दूतावासों की सुरक्षा की गारंटी के लिए कई उपाय अपनाए गए हैं।

नई दिल्ली। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने शनिवार को केन्द्रीय ऊर्जा और आवासन एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान विज ने केन्द्रीय मंत्री से अंबाला से चण्डीगढ़ के बीच मेट्रो रेल लाइन का आग्रह किया। मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए विज ने कहा कि चण्डीगढ़ में यूटी प्रशासन है और पंजाब व हरियाणा की राजधानी भी है। इस विषय पर विस्तार से चर्चा हुई। इस पर केन्द्रीय मंत्री ने इस विषय पर त्वरित कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

फरवरी महीने से जायद की फसलों की बुवाई का समय शुरू है। इन फसलों की बुवाई मार्च तक चलती है। इस समय बोने पर ये फसलें अच्छी पैदावार देती हैं। इस मौसम में खीरा, ककड़ी, करेला, लौकी, तोरई, पेठा, पालक, फूलगोभी, बैंगन, भिण्डी, अरबी जैसी सब्ज़ियों की बुवाई करनी चाहिए।

गर्मियों में उगाए सब्जियां होगा भरपूर फायदा

खीरा

खीरे की खेती के लिए खेत में क्यारियां बनाएं। इसकी बुवाई लाइन में ही करें। लाइन से लाइन की दूरी 1.5 मीटर रखें और पौधे से पौधे की दूरी 1 मीटर। बुवाई के बाद 20 से 25 दिन बाद निराई - गुड़ाई करना चाहिए। खेत में सफाई रखें और तापमान बढ़ने पर हर सप्ताह हल्की सिंचाई करें। खेत से खरपतवार हटाते रहें।

ककड़ी

ककड़ी की बुवाई के लिए एक उपयुक्त समय फरवरी से मार्च ही होता है लेकिन अगेती फसल लेने के लिए पॉलीथीन की थैलियों में बीज भरकर उसकी रोपाई जनवरी में भी की जा सकती है। इसके लिए एक एकड़ भूमि में एक किलोग्राम बीज की ज़रूरत होती है। इसे लगभग हर तरह की ज़मीन में उगाया जा सकता है। भूमि की तैयारी के समय गोबर की खाद डालें व खेत की तीन से चार बार जुताई करके सुहागा लगाएं। ककड़ी की बीजाई 2 मीटर चौड़ी क्यारियों में नाली के किनारों पर करनी चाहिए। पौधे से पौधे का अंतर 60 सेंटीमीटर रखें। एक जगह पर दो - तीन बीज बोएं। बाद में एक स्थान पर एक ही पौधा रखें।

करेला

हल्की दोमट मिट्टी करेले की खेती के लिए अच्छी होती है। करेले की बुवाई दो तरीके से की जाती है - बीज से और पौधे से। करेले की खेती के लिए 2 से 3 बीज 2.5 से 5 मीटर की दूरी पर बोने चाहिए। बीज को बोने से पहले 24 घंटे तक पानी में भिगो लेना चाहिए इससे अंकुरण जल्दी और अच्छा होता है। नदियों के किनारे की ज़मीन करेले की खेती के लिए बढ़िया रहती है। कुछ अम्लीय भूमि में इसकी खेती की जा सकती है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें इसके बाद दो - तीन बार हैरो या कल्टीवेटर चलाएं।

लौकी

लौकी की खेती कर तरह की मिट्टी में हो जाती है लेकिन दोमट मिट्टी इसके लिए सबसे अच्छी होती है। लौकी की खेती के लिए एक हेक्टेयर में 4.5 किलोग्राम बीज की ज़रूरत होती है। बीज को खेत में बोने से पहले 24 घंटे पानी में भिगोने के बाद टाट में बांध कर 24 घंटे रखें। करेले की तरह लौकी में भी ऐसा करने से बीजों का अंकुरण जल्दी होता है। लौकी के बीजों के लिए 2.5 से 3.5 मीटर की दूरी पर 50 सेंटीमीटर चौड़ी व 20 से 25 सेंटीमीटर गहरी नालियां बनानी चाहिए। इन नालियों के दोनों किनारे पर गरमी में 60 से 75 सेंटीमीटर के फासले पर बीजों की बुवाई करनी चाहिए। एक जगह पर 2 से 3 बीज 4 सेंटीमीटर की गहराई पर बोएं।

भिंडी

भिंडी की अगेती किस्म की बुवाई फरवरी से मार्च के बीच करते हैं। इसकी खेती हर तरह की मिट्टी में हो जाती है। भिंडी की खेती के लिए खेत को दो-तीन बार जुताई कर मिट्टी को भुरभुरा कर लेना चाहिए और फिर पाटा चलाकर समतल कर लेना चाहिए। बुवाई कतारों में करनी चाहिए। कतार से कतार दूरी 25-30 सेमी और कतार में पौधे की बीच की दूरी 15-20 सेमी रखनी चाहिए। बोने के 15-20 दिन बाद पहली निराई-गुड़ाई करना जरुरी रहता है। खरपतवार नियंत्रण के लिए रासायनिक का भी प्रयोग किया जा सकता है।

तोरई

हल्की दोमट मिट्टी तोरई की सफल खेती के लिए सबसे अच्छी मानी जाती है। नदियों के किनारे वाली भूमि इसकी खेती के लिए अच्छी रहती है। इसकी बुवाई से पहले, पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें इसके बाद 2 से 3 बार बार हैरो या कल्टीवेटर चलाएं। खेत कि तैयारी में मिट्टी भुरभुरी हो जानी चाहिए। तोरई में निराई ज़्यादा करनी पड़ती है। इसके लिए कतार से कतार की दूरी 1 से 1.20 मीटर और पौधे से पौधे की दूरी एक मीटर होनी चाहिए। एक जगह पर 2 बीज बोने चाहिए। बीज को ज़्यादा गहराई में न लगाएं इससे अंकुरण पर फर्क पड़ता है। एक हेक्टेयर ज़मीन में 4 से 5 किलोग्राम बीज लगता है।

अरबी

अरबी की खेती के लिए रेतीली दोमट मिट्टी अच्छी रहती है। इसके लिए ज़मीन गहरी होनी चाहिए। जिससे इसके कंदों का समुचित विकास हो सके। अरबी की खेती के लिए समतल क्यारियां बनाएं। इसके लिए कतार से कतार की दूरी 45 सेमी. व पौधे से पौधे की दूरी 30 सेमी होनी चाहिए। इसकी गांठों को 6 से 7 सेंटीमीटर की गहराई पर बो दें।

पालक

पालक के लिए बलुई दोमट या मटियार मिट्टी अच्छी होती है लेकिन ध्यान रहे अम्लीय ज़मीन में पालक की खेती नहीं होती है। भूमि की तैयारी के लिए मिट्टी को पलेवा करके जब वह जुताई योग्य हो जाए तब मिट्टी पलटने वाले हल से एक जुताई करना चाहिए, इसके बाद 2 या 3 बार हैरो या कल्टीवेटर चलाकर मिट्टी को भुरभुरा बना लेना चाहिए। साथ ही पाटा चलाकर भूमि को समतल करें। पालक की खेती के लिए एक हेक्टेयर में 25 से 30 किलोग्राम बीज की ज़रूरत होती है। बुवाई के लिए कतार से कतार की दूरी 20 से 25 सेंटीमीटर और पौधे से पौधे की दूरी 20 सेंटीमीटर रखना चाहिए। पालक के बीज को 2 से 3 सेन्टीमीटर की गहराई पर बोना चाहिए, इससे अधिक गहरी बुवाई नहीं करनी चाहिए।

बैंगन

इसकी नर्सरी फरवरी में तैयार की जाती है और बुवाई अप्रैल में की जाती है। बैंगन की खेती के लिए अच्छी जल निकासी वाली दोमट मिट्टी उपयुक्त होती है। नर्सरी में पौधे तैयार होने के बाद दूसरा महत्वपूर्ण कार्य होता है खेत को तैयार करना। मिट्टी परीक्षण करने के बाद खेत में एक हेक्टेयर के लिए 4 से 5 ट्रॉली पक्का हुआ गोबर का खाद् बिखेर दे। बैंगन की खेती के लिए दो पौधों और दो कतार के बीच की दूरी 60 सेंटीमीटर होनी ही चाहिए।

पेठा

पेठा कद्दू की खेती के लिए दोमट व बलुई दोमट मिट्टी सब से अच्छी मानी जाती है। इसके अलावा यह कम अम्लीय मिट्टी में आसानी से उगाया जा सकता है। पेठा की बुवाई से पहले खेतों की अच्छी तरह से जुताई कर के मिट्टी को भुरभुरी बना लेना चाहिए और 2-3 बार कल्टीवेटर से जुताई कर के पाटा लगाना चाहिए। इसके लिए एक हेक्टेयर में 7 से 8 किग्रा बीज की ज़रूरत होती है। इसकी बुवाई के लिए लगभग 15 हाथ लंबा का एक सीधा लकड़ी का डंडा ले लेते हैं, इस डंडे में दो-दो हाथ की दूरी पर फीता बांधकर निशान बना लेते हैं जिससे लाइन टेढ़ी न बने। दो हाथ की दूरी पर लम्बाई और चौड़ाई के अंतर पर गोबर की खाद का सीधे लाइन में गोबर की खाद घुरवा बनाते हैं जिसमे पेठे के सात से आठ बीजे गाड़ देते हैं अगर सभी जम गए तो बाद में तीन चार पौधे छोड़कर सब उखाड़ कर फेंक दिए जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

पाक टीम से पत्ता कटा, अब बिग बैश में खेलने को तैयार बाबर आजम

लाहौर। पाकिस्तानी बल्लेबाज बाबर आजम को अगले सप्ताह के प्लेयर ड्राफ्ट से पहले सिडनी सिक्सर्स ने अनुबंधित किया है, इसके बाद वह पहली बार बिग बैश में खेलने वाले है। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान आजम, टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के इतिहास में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। 30 वर्षीय बाबर ने 320 टी20 मैच खेले हैं, और हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग में पेशावर जालमी के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने थे। उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ पाकिस्तान की हालिया टी20 सीरीज के लिए नहीं चुना गया था। बाबर ने कहा, 'दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टी20 लीगों में से एक में खेलना और इतनी सफल और सम्मानित फ्रैंचाइजी का हिस्सा बनना एक रोमांचक मौका है।

सबसे ज्यादा आईसीसी ट्रॉफी विजेता देश ऑस्ट्रेलिया, भारत दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में से कोई एक देश आज एक और आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम कर लेगा। पहले तीन दिन के खेल के बाद द.अफ्रीका का पलड़ा भारी है। शनिवार को चौथे दिन पहले ही सेशन में रिजल्ट आ जाएगा। अगर द. अफ्रीका जीतता हैं, तब यह उसकी दूसरी आईसीसी ट्रॉफी होगी। और ऑस्ट्रेलिया ने बाजी मारी तब उसके नाम 11वीं ट्रॉफी होगी। आईसीसी यानी इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था है, जो पूरी दुनिया में इस खेल को संचालित करती है। इसमें पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों शामिल हैं। 1973 में पहला आईसीसी वर्ल्ड कप (महिला) खेला गया, इस इंग्लैंड ने जीता था। पुरुष क्रिकेट में पहली आईसीसी ट्रॉफी 1975 में वेस्टइंडीज ने जीती थी।

एडेन मार्करम के शानदार शतक के बाद कोहली का टवीट हुआ वायरल

नई दिल्ली। एडेन मार्करम ने लॉर्ड्स में जारी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के तीसरे दिन शानदार शतक लगा दिया। उनके शतक के बाद क्रिकेट के गलियारों में उनकी खूब तारीफ की जा रही है। मार्करम के बल्ले से यह शतक तब निकला जब खिताब जीतने के लिए ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका के सामने 282 रनों का लक्ष्य रखा था। द. अफ्रीका के पहली पारी में 138 रनों पर ढेर होने के बाद किसी को उम्मीद नहीं थी कि यह टीम स्कोर को हासिल कर लेगी। मगर मार्करम ने कप्तान टेंबा बावुमा के साथ शतकीय साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी है।

आर्या-बबूता की जोड़ी का कमाल

10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण जीता

म्यूनिख, एजेंसी। व्यक्तिगत तौर पर आर्या ने 317.5 का स्कोर किया, जबकि बबूता ने क्वालिफिकेशन में 317.7 का स्कोर किया। आर्या इस साल की शुरुआत में पेरू के लीमा में विश्व कप में रुद्राक्ष पाटिल के साथ मिलकर 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीत चुकी हैं।

आर्या बोरसे और अर्जुन बबूता की भारतीय जोड़ी ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए चीन के जिफेई वांग और लिहाओ शेंग को 17-7 से हराकर शनिवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप की 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया।

आर्या और बबूता अहम मौके पर धैर्य और एकाग्रता का शानदार नमूना पेश करते हुए चीन के खिलाड़ियों को खिताबी मुकाबले में कोई मौका नहीं दिया। भारतीय जोड़ी ने क्वालिफिकेशन में 635.2 का स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक दौर में प्रवेश किया, जो वांग और शेंग (635.9) से सिर्फ 0.7 अंक पीछे था। चीन की जोड़ी का यह स्कोर क्वालिफिकेशन विश्व रिकॉर्ड भी है। व्यक्तिगत तौर पर आर्या ने 317.5 का स्कोर किया, जबकि बबूता ने क्वालिफिकेशन में 317.7 का स्कोर किया। आर्या इस साल की शुरुआत में पेरू के लीमा में विश्व कप में रुद्राक्ष पाटिल के साथ मिलकर 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीत चुकी हैं।

इस स्पर्धा में अन्य भारतीय जोड़ी इलावेनिल वलारिवन और अंकुश जाधव 631.8 अंकों के साथ क्वालीफिकेशन में छठे स्थान पर रही। नॉर्वे की जीनेट हेग ड्यूस्टैड और जॉन-हरमन हेग ने अमेरिका के सेगेन मैडालेना और पीटर मैथ्यू फियोरी पर 16-14 से जीत के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

यह मौजूदा विश्व कप में भारत का दूसरा स्वर्ण और कुल चौथा पदक है। सुरुचि सिंह ने शुक्रवार को स्वर्ण जीता था जबकि इस सप्ताह के शुरू में सिफ्त कौर समरा और इलावेनिल ने अपने-अपने व्यक्तिगत मुकाबलों में दो कांस्य पदक जीते थे।

ह्यूस्टन, टेक्सास अमेरिका में क्लब फुटबॉल मैच के दौरान ह्यूस्टन डैश के मिडफील्डर डेलानी शीहान (8) और सैन डिएगो वेव एफसी के फॉरवर्ड मारिया सांचेज़ (7) शेल एनर्जी स्टेडियम में दूसरे हाफ़ के दौरान गेंद के लिए दौड़ते हुए।

शीर्ष स्थान पर होगी नजर

आठ साल में पहली बार पेरिस डायमंड लीग में खेलेंगे नीरज चोपड़ा

पेरिस, एजेंसी। नीरज ने आखिरी बार 2017 में जूनियर विश्व चैंपियन के रूप में पेरिस डायमंड लीग में भाग लिया था और तब वह 84.67 मीटर के थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा 20 जून को होने वाले पेरिस डायमंड लीग में खेलने उतरेंगे। नीरज आठ साल बाद इस टूर्नामेंट के पेरिस चरण में उतरेंगे। नीरज लगातार दो टूर्नामेंट में दूसरे स्थान पर रहे हैं और उनकी नजरें इस प्रतियोगिता में शीर्ष पर रहने की होगी। नीरज ने पिछले साल ओलंपिक खेलों पर ध्यान केंद्रित करने के कारण इसमें हिस्सा नहीं लिया था।

2017 में आखिरी बार लिया हिस्सा: नीरज ने आखिरी बार 2017 में जूनियर विश्व चैंपियन के रूप में पेरिस डायमंड लीग में भाग लिया था और तब वह 84.67 मीटर के थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे। पेरिस डायमंड लीग के आयोजकों ने अभी प्रतियोगियों की पूरी सूची प्रकाशित नहीं की है, लेकिन उन्होंने घोषणा की है कि नीरज और दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उन पांच खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो पहले ही 90 मीटर का आंकड़ा पार कर चुके हैं। पीटर्स 16 मई को दोहा डायमंड लीग और 23 मई को पोलैंड में जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल में नीरज के बाद तीसरे स्थान पर रहे थे।

90 मीटर के जादुई आंकड़े को पार करने में सफल रहे नीरज: नीरज ने 2025 सत्र की शुरुआत दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में एक आमंत्रण प्रतियोगिता में खिताब के साथ की। यह एफ श्रेणी की मामूली प्रतियोगिता थी जिसमें उन्होंने 84.52 मीटर का थ्रो किया। इसके बाद उन्होंने 16 मई को दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर के थ्रो के साथ 90 मीटर के जादुई निशान को पार किया,

आईएसएल में नए नियम! कल्याण चौबे बोले

प्लेइंग-11 में भारतीय स्ट्राइकरों की संख्या का फैसला हितधारक करेंगे

नई दिल्ली, निप्र। चौबे ने भारतीय स्ट्राइकरों से गोल न किए जाने की ओर इशारा करते हुए कहा कि कोच मानोलो मार्केज की टीम के खराब प्रदर्शन का एक कारण यह हो सकता है। उन्होंने कहा कि हितधारक इस बात पर चर्चा करेंगे कि घरेलू क्लबों में स्ट्राइकर के रूप में खेलने वाले भारतीयों की संख्या कैसे बढ़ाई जाए।

एएफसी एशियाई कप क्वालिफाइंग दौर के मैच में हांगकांग से 0-1 से मिली हार के बाद आलोचनाओं का सामना करने कर रहे अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने शुक्रवार को स्वीकार किया कि राष्ट्रीय टीम पिछले कुछ समय से मैच जीतने के लिए संघर्ष कर रही है। इस हार ने भारत को लगातार तीसरी बार महाद्वीपीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करने की अपनी कोशिशों में मुश्किल में डाल दिया है।

चौबे ने भारतीय स्ट्राइकरों से गोल न किए जाने की ओर इशारा करते हुए कहा कि कोच मानोलो मार्केज की टीम के खराब प्रदर्शन का एक कारण यह हो सकता है। उन्होंने कहा कि हितधारक इस बात पर चर्चा करेंगे कि घरेलू क्लबों में स्ट्राइकर के रूप में खेलने वाले भारतीयों की संख्या कैसे बढ़ाई जाए।

चौबे ने कहा, किसी भी खेल की लोकप्रियता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय टीम का अच्छा प्रदर्शन करना जरूरी है। यह सच है कि हमारी राष्ट्रीय टीम ने मलेशिया, वियतनाम, बांग्लादेश, थाईलैंड और हांगकांग जैसी टीमों के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए संघर्ष किया है। गोल किए बिना जीत की उम्मीद करना वैसे भी अवास्तविक है। चौबे ने कहा, यह स्पष्ट रूप से गोल करने की क्षमता और भारतीय स्ट्राइकरों की कमी को उजागर करता है। भारतीय स्ट्राइकरों के मैच-टाइम बढ़ाने के लिए एक व्यावहारिक, सामूहिक निर्णय की तत्काल आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, इस हालांकि कैसे किया जाए, इसके लिए सभी हितधारकों के बीच एक संयुक्त चर्चा की आवश्यकता है। इसका एक संभावित उपाय यह हो सकता है कि घरेलू लीग में अनुमति प्राप्त विदेशी खिलाड़ियों की संख्या में धीरे-धीरे कमी लायी जाए जिससे भारतीय स्ट्राइकरों को अधिक मौके मिले।

व्यापार समाचार

क्रिप्टो लेनदेन करने वाले फिर से भरें आईटीआर

निफ्टी-500 कंपनियों का मुनाफा 17 साल की ऊंचाई पर

नई दिल्ली, एजेंसी। निफ्टी-500 कंपनियों का लाभ 2024-25 में जीडीपी के अनुपात में 4.7 फीसदी पर पहुंच गया। यह 17 साल का उच्च स्तर है। सूचीबद्ध कंपनियों के लिए यह अनुपात और भी अधिक 5.1 फीसदी था, जो 14 वर्षों का उच्च स्तर है। मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के अनुसार, जीडीपी अनुपात में लाभ में निरंतर वृद्धि कई प्रमुख क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन से समर्थित थी। पिछले सात वर्षों से नकारात्मक योगदान करने वाला दूरसंचार क्षेत्र पिछले वित्त वर्ष में सकारात्मक हो गया। वृद्धि में योगदान देने वाले अन्य क्षेत्रों में सरकारी बैंक (0.07 प्रतिशत), स्वास्थ्य सेवा (0.04 प्रतिशत), उपभोक्ता (0.04 प्रतिशत), मेटल (0.03 प्रतिशत) व बुनियादी ढांचा (0.2 प्रतिशत) शामिल हैं। कुछ क्षेत्रों में गिरावट देखी गई। तेल-गैस में सबसे अधिक 0.28 प्रतिशत की कमी रही। वाहन (0.03 प्रतिशत), सीमेंट (0.02 प्रतिशत) में भी गिरावट रही।

क्रिप्टो लेनदेन करने वाले फिर से भरें आईटीआर: आयकर विभाग ने क्रिप्टोकरेंसी में लेन-देन करने वाले हजारों डिफॉल्टरों को ई-मेल संदेश भेजकर अद्यतन आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने को कहा है। यह संदेश उन लोगों को भेजा गया है, जिन्होंने अपने रिटर्न में इस आय को नहीं दर्शाया है। सूत्रों ने बताया कि ये लेनदेन आकलन वर्ष 2023-24 और 2024-25 से संबंधित हैं। आयकर विभाग और केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) को पता चला है कि कई लोग कर चोरी

और धन शोधन कर रहे हैं। दरअसल, ये लोग अवैध आय का निवेश आभासी डिजिटल परिसंपत्तियों (वीडीए) में कर रहे हैं। इस तरह के निवेश को आमतौर पर क्रिप्टोकरेंसी के रूप में जाना जाता है। गौरतलब है कि आयकर अधिनियम की धारा 115बीबीएच के अनुसार, क्रिप्टो ट्रांसफर से होने वाली आय पर 30 प्रतिशत की कर दर लगाई जाती है।

विदेशी मुद्रा भंडार में 5.17 अरब डॉलर की बढ़ोतरी: देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6 जून को समाप्त सप्ताह में 5.17 अरब डॉलर बढ़कर 696.65 अरब डॉलर पहुंच गया। आरबीआई के मुताबिक, विदेशी मुद्रा संपत्ति 3.47 अरब डॉलर बढ़कर 587.68 अरब डॉलर पहुंच गई। देश का स्वर्ण भंडार भी 1.58 अरब डॉलर की बढ़ोतरी के साथ?85.88 अरब डॉलर पर पहुंच गया।?विशेष निकासी अधिकार में 10.2 करोड़ डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई और यह 18.6 अरब डॉलर पहुंच गया।?

खाद्य तेलों के आयात शुल्क में कमी से घटेगी खाने-पीने की वस्तुओं की महंगाई: सामान्य से अधिक वर्षा और खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में कटौती से आने वाले महीनों में खाद्य महंगाई में कमी आने की उम्मीद है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, इन घटनाक्रमों से जरूरी खाद्य वस्तुओं की कीमतों को कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, कुछ जोखिम बने हुए हैं। मौसम से जुड़े व्यवधान (बाढ़/सूखा) के कारण महंगाई पर बुरा असर पड़ सकता है। सरकार ने खाद्य तेलों पर आयात शुल्क 20 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी कर दिया है। इससे कुछ सप्ताह में खाद्य तेल की कीमतों में कमी लाने में मदद मिलेगी, जिससे ग्राहकों को लाभ होगा।

ईडी ने आंध्र प्रदेश सरकार को 1,000 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति लौटाई: प्रवर्तन निदेशालय ने पोंजी योजना के माध्यम से निवेशकों से ठगी के मामले में आंध्र प्रदेश सरकार को 1000 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति लौटाई है। फरवरी से लेकर अब तक ईडी कुल 7000 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति आंध्र प्रदेश सरकार को लौटा चुका है, ताकि एग्री गोल्ड धोखाधड़ी के पीड़ितों को और अधिक मुआवजा दिया जा सके। ईडी ने फरवरी में इस प्रक्रिया की शुरुआत की थी और 3339 करोड़ रुपये (वर्तमान बाजार मूल्य 6,000 करोड़ रुपये से अधिक) की संपत्ति लौटाई थी।

एआई और शिक्षा क्षेत्र में तेजी

भारत में लगातार आठ महीने की गिरावट के बाद रोजगार 8.9 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। लगातार 8 महीने की गिरावट के बाद मई 2025 में भारत में रोजगार सृजन 8.9त्न बढ़ा। इनडीड की रिपोर्ट के अनुसार, बाल देखभाल, शिक्षा, व्यक्तिगत देखभाल और विनिर्माण क्षेत्रों में तेजी से नौकरियां बनीं। जनरेटिव्‌ द्ब में रोजगार सृजन दोगुना से अधिक रहा। देश में रोजगार सृजन लगातार आठ महीने की गिरावट के बाद मई, 2025 में 8.9 फीसदी बढ़ गया। रोजगार वृद्धि की यह दर अन्य देशों की तुलना में तेज है। हालांकि, सालाना आधार पर इसमें 1.8 फीसदी की मामूली गिरावट दर्ज की गई। नौकरियों से जुड़ी वेबसाइट इनडीड की रिपोर्ट के मुताबिक, सालाना गिरावट के बावजूद भारत में रोजगार सृजन कोविड-19 महामारी के पहले की तुलना में करीब 80 फीसदी अधिक रहा। यह अन्य प्रमुख बाजारों की तुलना में अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रोजगार सृजन मुख्य रूप से बाल देखभाल (27 फीसदी), व्यक्तिगत देखभाल व गृह स्वास्थ्य (25 फीसदी), शिक्षा (24 फीसदी) और उत्पादन-विनिर्माण

(22 फीसदी) में हुआ। इसके अलावा, जनरेटिव एआई क्षेत्र में मई तक रोजगार सृजन 1.5 फीसदी रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में दोगुना से भी अधिक है।

इनडीड के अर्थशास्त्री का क्या बयान: इनडीड के एशिया-प्रशांत क्षेत्र के वरिष्ठ अर्थशास्त्री कैलम पिकरिंग ने कहा, भारत अधिक औपचारिक आर्थिक व्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है। इसलिए, भारत में रोजगार सृजन अन्य देशों की तुलना में तेजी से बढ़ रहा है। जैसे-जैसे देश में बदलाव आएगा, औपचारिक क्षेत्र में रोजगार सृजन देशभर में समग्र नौकरी वृद्धि की तुलना में कहीं अधिक मजबूत होगा।

भारतीय इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की विदेशी मुद्रा कमाई में भारत हिस्सा ज्यादा

मुंबई। भारत में मेक इन इंडिया नीति के प्रयासों ने देश के स्मार्टफोन और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को विदेशी बाजारों तक पहुंचाने में मदद की है। चीन की बड़ी कंपनियों के साथ मिलकर निर्मित उत्पादों के साथ भारतीय कंपनियां अब विश्वभर में अपनी पहुंच बढ़ा रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार ओप्पो और रियलमी मोबाइल इंडिया ने विदेशी मुद्रा में कहीं-कहीं उच्च आंकड़े प्राप्त किए हैं। इन कंपनियों के साथ ही भारतीय मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां भी स्मार्टफोन और इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद बना रही हैं। सरकार की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना के तहत कुछ कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिल रही है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5.17 बिलियन डॉलर बढ़ा

मुंबई। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 6 जून को समाप्त हुए सप्ताह में 5.17 बिलियन डॉलर बढ़कर 696.66 बिलियन डॉलर हुआ है। आरबीआई द्वारा जारी डेटा में इसकी जानकारी दी गई। सप्ताह के दौरान तीव्र वृद्धि ने भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को 704.885 बिलियन डॉलर के ऐतिहासिक उच्च स्तर के करीब पहुंचा दिया है, जो सितंबर 2024 के अंत में देश ने हासिल किया था। देश के विदेशी मुद्रा भंडार के मजबूत होने से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए को भी मजबूती मिली है। 6 जून को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख घटक, विदेशी मुद्रा आस्तियों की वैल्यू 3.47 बिलियन डॉलर बढ़कर 587.69 बिलियन डॉलर हो गई है। सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का अहम घटक गोल्ड रिसर्व 1.6 मिलियन डॉलर बढ़कर 85.89 बिलियन डॉलर पहुंच गया। भू-राजनीतिक तनावों से पैदा हुई।

भू-राजनीतिक तनाव से बढ़ रही सोने की कीमतें

नई दिल्ली। इजराइल और ईरान के बीच तेजी से बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने अब सोने की कीमतों पर सीधा असर डालना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमत ने बड़ी तेजी दिखाई, जिससे एक नया रिकॉर्ड स्तर 1,01,540 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। भारतीय बाजार में भी मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने की कीमत 1 लाख प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गई है। बैंक ऑफ अमेरिका और गोल्डमैन सैक्स के अनुमानों के मुताबिक आने वाले समय में सोने की कीमतों में और भी तेजी जारी रह सकती है। सोने में निवेश को बढ़ावा देने वाले मान्यताओं के अनुसार भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के कारण सोने की कीमतें अगले 12 महीनों में भी और भी उच्च हो सकती हैं।

भारत जापान के बीच दुर्लभ खनिज ऑक्साइड की आपूर्ति पर हालात गंभीर

नई दिल्ली। भारत और जापान के बीच 13 साल पुराने समझौते के मध्यम से परिष्कृत दुर्लभ खनिज ऑक्साइड की आपूर्ति पर बड़े परिवर्तन की संभावना खड़ी हो गई है। चीन से मैग्नेट की आपूर्ति में बाधा होने से गृहित स्टॉक और निर्यात को लेकर मामले में तनाव बढ़ रहा है। ारोबारियों का कहना है कि अब वह यह दावा करे हैं कि जापान के ऊपर भारत को सीमित करने का सुझाव दिया गया है। हालांकि, वे विश्वस्त भारत-जापान समझौते को ध्यान में रखकर यदि दुर्लभ खनिज की बेहतर आपूर्ति के लिए उचित समझौते की मांग कर रहे हैं।

हुंडई मोटर्स भारतीय बाजार में पडक बनाएगी और मजबूत

नई दिल्ली, निप्र। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में हुंडई मोटर्स ने अपनी पकड़ और मजबूत करने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की है। हुंडई मोटर्स ने जानकारी दी है कि वह 2030 तक भारत में कुल 26 नई कारें पेश करेगी। इन मॉडलों में पारंपरिक पेट्रोल-डीजल वाहनों के साथ-साथ इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड तकनीक से लैस वाहन भी शामिल होंगे। इसके अलावा कई फेसलिफ्ट मॉडल और नई पीढ़ी की एसयूवी भी बाजार में उतारी जाएंगी। कंपनी का उद्देश्य न केवल बाजार हिस्सेदारी बनाए रखना है, बल्कि भारत को अपने वैश्विक उत्पादन और निर्यात नेटवर्क का अहम केंद्र बनाना भी है। पिछले कुछ वर्षों में टाटा मोटर्स और महिंद्रा जैसी घरेलू कंपनियों ने भारतीय बाजार में खासकर एसयूवी सेगमेंट में तेजी से विस्तार किया है, जिससे हुंडई को प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा है। इसी के मद्देनज़र कंपनी भारत में अपने मॉडल पोर्टफोलियो को आक्रामक तरीके से विस्तारित कर रही है।

इस रणनीति में प्रमुख मॉडल जैसे कि हुंडई बेयान, नई वेन्यू, एक्सटर फेसलिफ्ट, वरना फेसलिफ्ट, नया आई20 और अल्काजार तथा क्रेटा के न्यू-जेन वर्जन शामिल हैं। हुंडई की योजना के तहत आने वाली कारें न केवल डिजाइन और तकनीक के मामले में बेहतर होंगी, बल्कि भारतीय ग्राहकों को अधिक विकल्प और आधुनिक सुविधाएं भी प्रदान करेंगी। कंपनी की यह रणनीति भारत को केवल एक बिक्री बाजार से बढ़ाकर एक वैश्विक निर्माण केंद्र में तब्दील करने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है।

ट्रंप की धमकी बेअसर, दो महीनों में 27,000 करोड़ का निर्यात

अमेरिका में बिकने वाले 97% आईफोन भारत से भेजे गए

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के बावजूद एपल के 97% आईफोन अब भारत में बन रहे हैं। मार्च से मई 2025 के बीच भारत से अमेरिका को 27,000 करोड़ रुपये के आईफोन निर्यात किए गए। सिर्फ मई में ही 8,600 करोड़ के आईफोन भेजे गए। 2024 में जहां 50% आईफोन भारत में बनते थे, अब यह आंकड़ा 97% हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के बावजूद अमेरिका में बिकने वाले एपल के 97 फीसदी आईफोन भारत में बन रहे हैं। एपल ने इस साल मार्च से मई के बीच भारत से जितने भी आईफोन निर्यात किए, उनमें से 97 अमेरिका को भेजे गए। मूल्य के हिसाब से इसकी कुल कीमत 27,000 करोड़ रुपये है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत से सिर्फ मई में ही करीब 8,600 करोड़ का आईफोन अमेरिका को निर्यात किया गया है। यह मार्च के करीब 11,195 करोड़ रुपये के आईफोन निर्यात के बाद दूसरा सबसे ज्यादा है। इस साल जनवरी से मई तक भारत से अमेरिका को 37,000 करोड़ रुपये के आईफोन भेजे गए हैं। यह 2024 के करीब

32,000 करोड़ रुपये के निर्यात से ज्यादा है। 2024 तक अमेरिका में बेचे जाने वाले 50 फीसदी आईफोन ही भारत में बनते थे।

97 फीसदी तक पहुंचा आकड़ा: अब यह आंकड़ा 97 फीसदी पहुंच गया है, जो चीन पर लगाए गए उच्च अमेरिकी टैरिफ को दरकिनार करने के एपल के प्रयासों का स्पष्ट संकेत है। एपल ने भारत से अपने निर्यात को इस प्रकार पुनर्गठित किया है कि वह अब सिर्फ अमेरिकी बाजार में ही अपने उत्पाद निर्यात करेगा। पहले नीदरलैंड, चेक गणराज्य और ब्रिटेन जैसे देशों में ज्यादा निर्यात होते थे। भारत में फॉक्सकॉन, पेगाट्रॉन और विस्ट्रॉन ही आईफोन की प्रमुख विनिर्माता कंपनियां हैं।

बढ़ सकती है आईफोन की कीमत: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि आईफोन की कीमतों में नाटकीय रूप से बढ़ोतरी हो सकती है। इसके चलते एपल की बिक्री और मुनाफे को नुकसान हो सकता है। इतना ही नहीं एपल भी अब अमेजन वालमार्ट और अन्य प्रमुख कंपनियों के साथ व्हाइट हाउस के निशाने पर आ गई है। दरअसल, ये कंपनियां ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ से पैदा हुई अनिश्चितता और मुद्रास्फीति के दबाव का जवाब देने की कोशिश कर रही हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने एपल को दी थी धमकी: गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार एपल को धमकी देते आ रहें हैं कि अमेरिका में बिकने वाले आईफोन अमेरिका में ही बनने चाहिए। अगर वह अमेरिका से बाहर भारत या अन्य किसी देश में ऐसा करेंगे तो यह एपल पर भारी पड़ेगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा कि अगर प्रौद्योगिकी कंपनी ने ऐसा नहीं किया तो एपल के उत्पादों पर 25% टैरिफ लगाया जाएगा।

21 जून को सुबह 7 बजे से होगा योगाभ्यास, जिले भर में चल रही तैयारियां

सांची-भीमबेटका में मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

रायसेन, निप्र। रायसेन में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। 21 जून को आयोजित होने वाले इस दिवस की थीम इस बार केंद्र सरकार ने 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' तय की है। इसके तहत जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों सांची और भीमबेटका सहित जिले के हर स्तर पर योग कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी।

सांची और भीमबेटका में विशेष आयोजन

योग दिवस पर रायसेन जिले के ऐतिहासिक और विश्व प्रसिद्ध स्थलों पर विशेष आयोजन होंगे। सांची में स्तूप क्रमांक-1 के पास स्थित लाइट एंड साउंड शो क्षेत्र में योगाभ्यास कराया जाएगा। वहीं, भीमबेटका गुफा परिसर के पार्किंग क्षेत्र के सामने सामूहिक योग सत्र का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा रायसेन शहर के खेल स्टेडियम में भी विशेष योग शिविर लगेगा।

सुबह 7 बजे से 7:45 बजे तक होगा योगाभ्यास

सभी स्थलों पर योगाभ्यास का समय निर्धारित कर दिया गया है। यह कार्यक्रम सुबह 7 बजे से 7:45 बजे तक चलेगा। इस दौरान प्रशिक्षित योग शिक्षकों की उपस्थिति में सहभागी जन योग क्रियाएं करेंगे। योग सत्र की समयबद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं।

हर वर्ग की भागीदारी तय: इन योग कार्यक्रमों में जिले के विद्यालयों, महाविद्यालयों, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, आयुष, नर्सिंग, पशु चिकित्सा, कृषि शिक्षा संस्थानों के छात्र, शिक्षक, पुलिसकर्मी, एनसीसी और एनएसएस कैडेट्स, शासकीय सेवक, महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से महिला स्व-सहायता समूहों की महिलाएं, वाणिज्यिक एवं औद्योगिक संगठन, योग संस्थान, स्वयंसेवी संगठन और आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

दिव्यांगों के लिए विशेष व्यवस्था

योग दिवस कार्यक्रमों में दिव्यांगजन भी भाग ले सकें, इसके लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। आयोजन स्थल पर अलग से आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएंगी ताकि सभी को योग का लाभ मिल सके।

नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में भी होंगे आयोजन

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन सिर्फ प्रमुख स्थलों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह जिला मुख्यालय, तहसील, विकासखंड, नगर पंचायत और ग्राम पंचायत स्तर तक पहुंचेगा। सभी स्थानों पर सामूहिक योग सत्र आयोजित किए जाएंगे। आयोजनों में सहभागियों के लिए अलग-अलग वर्गों के अनुसार स्थान निर्धारित किए जाएंगे।

तेज गर्मी में नहीं चल पा रहे कूलर-पंखे, लोग बोले

24 घंटे में 25 बार बिजली कटौती, हवा चलते ही चली जाती है लाइट

विदिशा, निप्र। विदिशा में बिजली कटौती लोगों के लिए परेशानी खड़ी कर रही हैं। शहर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है। ऐसे में बार-बार बिजली कटौती से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अरिहंत विहार कॉलोनी, खरी फाटक रोड, माधवगंज समेत कई इलाकों में स्थिति गंभीर है।

इन क्षेत्रों में 24 घंटे में 20 से 25 बार बिजली कट रही है। कई बार बिजली घंटों तक नहीं आती है। कूलर-पंखे न चलने से लोगों को घरों से बाहर निकलना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी राजकुमार के मुताबिक बिजली विभाग के अधिकारी फोन तक नहीं उठाते। राजेंद्र सिंह दांगी ने बताया कि पहले बिजली कटौती का शेड्यूल होता था। अब लाइट थोड़ी देर के लिए आती है और लंबे समय तक गुल रहती है।

उन्होंने कहा कि बिजली विभाग हर साल मेंटेनेंस के नाम पर कटौती करता है। हल्की हवा चलते ही बिजली चली जाती है। रात में भी हर घंटे कटौती हो रही है। विभाग केवल बिल वसूली और स्मार्ट मीटर लगाने में सक्रिय है। विद्युत कंपनी के एई राहुल ठाकुर का कहना है कि तेज हवा के दौरान सुरक्षा के लिए बिजली सप्लाई रोकी जाती है।

उन्होंने अघोषित विद्युत कटौती से इनकार किया है। लोगों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

कांग्रेस प्रशिक्षित नेताओं को भाजपा में शामिल करने का आरोप, विदिशा में कुणाल बोले

देश की 80 प्रतिशत पार्टियों को ईवीएम पर भरोसा नहीं

विदिशा, निप्र। विदिशा में कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत जिला अध्यक्ष चयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विदिशा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की जिलाध्यक्ष बताने के लिए राय ली गई। पर्यवेक्षकों ने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि उनकी सोच और मुद्दों को राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे तक पहुंचाया जाएगा। ऐसे जिला अध्यक्ष का चयन किया जाएगा जो सभी को साथ लेकर चले।

पार्टी का लक्ष्य आगामी चुनावों में विदिशा से जीत सुनिश्चित करना है। संविधान की रक्षा और जातिगत जनगणना जैसे मुद्दों पर पार्टी काम कर रही है। इस दौरान केंद्रीय पर्यवेक्षक ममता भूपेश बैरवा, पीसीसी पर्यवेक्षक कुणाल चौधरी और पूर्व मंत्री प्रभु सिंह ठाकुर ने विदिशा में कार्यकर्ताओं से मुलाकात की।

चौधरी ने भाजपा पर आरोप लगाए: कुणाल चौधरी ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह कांग्रेस के प्रशिक्षित नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करती है। उन्होंने ईवीएम पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश की 80 प्रतिशत पार्टियों को इस पर भरोसा नहीं है। महाराष्ट्र चुनाव का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 4 महीने में वोटर आंकड़ों में बड़ा बदलाव देखा गया।

इधर ममता भूपेश ने बताया कि संगठन सृजन अभियान के तहत जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की राय ली जा रही है। पार्टी के प्रति समर्पित कार्यकर्ताओं की पहचान की जा रही है। रोल मॉडल अभियान को ग्राम पंचायत स्तर तक विस्तारित किया जाएगा।

पर्यवेक्षकों ने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि उनकी सोच और मुद्दों को राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे तक पहुंचाया जाएगा। संविधान की रक्षा और जातिगत जनगणना जैसे मुद्दों पर पार्टी काम कर रही है।

बोर्ड परीक्षा में असफल छात्रों के लिए रेमेडियल कक्षाएं संचालित

विदिशा। हाई स्कूल एवं हायर सेकंडरी स्कूलों में बोर्ड परीक्षाओं में असफल रहे छात्र छात्राओं के लिए रेमेडियल कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशन में रेमेडियल कक्षाएं संचालित की जा रही हैं ताकि ऐसे विद्यार्थी पुन: आयोजित होने वाली बोर्ड परीक्षाओं में अच्छे नंबरों से उत्तीर्ण हो सकें। इस क्रम में आज स्थानीय एमएलबी शाला डंडापुरा पहुंचकर एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा ने उपस्थित छात्राओं से चर्चा की और रेमेडियल कक्षाओं के संचालन की जानकारी प्राप्त की है। इस दौरान विद्यालय प्राचार्य श्रीमती दीप्ति शुक्ला एवं अन्य शिक्षिकाएं उपस्थित रही और रेमेडियल कक्षाओं के नियमित रूप से संचालन के संबंध में अवगत कराया गया।

शिक्षा इसलिए भी जरूरी की अध्ययन और अनुभव व्यक्ति का जिंदगी भर साथ नहीं छोड़ती: भुवन भूषण कमल

विदिशा, निप्र। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य भुवन भूषण कमल का आज विदिशा आगमन हुआ। वह विदिशा के रविंद्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक ऑडिटोरियम भवन में सेन समाज द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य भुवन भूषण कमल ने सेन समाज द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में शिक्षा बहुत जरूरी है बच्चों को शिक्षा अवश्य ग्रहण करनी चाहिए और पूरी लगन और मेहनत के साथ अपने अध्ययन पर ध्यान देना चाहिए, ताकि वह अच्छे अंकों के साथ सफलता प्राप्त कर सकें।

उन्होंने कहा कि शिक्षा ग्रहण करना इसलिए भी आवश्यक है कि अध्ययन और अनुभव व्यक्ति का जीवन भर साथ नहीं छोड़ता इसलिए शिक्षा का ज्ञान अर्जित करना अति आवश्यक है। उन्होंने शासन की योजनाओं को रेखांकित करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का बच्चों को लाभ मिलता है विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित हैं जिनमें बच्चों को सुविधाएं दी जा रही हैं।

सदस्य श्री भुवन भूषण कमल ने समाज के होनहार छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जीवन में सफल होने के लिए संघर्षों का सामना करना पड़ता है। कई बार हमें असफलताओं के दौर से भी गुजरना पड़ता है लेकिन कड़ी मेहनत और परिश्रम के बलबूते पर एक दिन सफलता जरूर मिलती है। इस दौरान उन्होंने बच्चों के अभिभावकों से भी कहा कि वह अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा तो दें साथ ही उनकी गतिविधियों पर भी ध्यान दें कि बच्चा किस क्षेत्र में जाना चाहता है बच्चे को कोई परेशानी तो नहीं है। इसके पहले कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों व समाजजनों द्वारा मां सरस्वती जी एवं संत शिरोमणि सेन जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर किया गया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, सागर रोड, रायसेन से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा भोपाल- 462023 (म.प्र.) भोपाल से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9981502276, 27054436, 9826735596.भोपाल कार्यालय : 4240007. स्थानीय व्यवस्थापक श्याम अग्रवाल मो. नं. 9826735596 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।